डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 21 | अंक : 04 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 23 फरवरी से 01 मार्च 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया

-राजस्थान से पहली बार किसी को एनएसयूआई का अध्यक्ष बनाया गया है
-दलित और आरएसएस विरोधी होने का फायदा मिला विनोद जाखड़ को
-कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सहमति से बनाया गया एनएसयूआई अध्यक्ष

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के विराट नगर, जयपुर से दलित परिवार से आने वाले विनोद जाखड़ को कांग्रेस पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है । विनोद जाखड़ की नियुक्ति कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सहमति से की गई है । एनएसयूआई के राष्ट्रीय पद के लिए देशभर से दर्जनों छात्र नेताओं से इंटरव्यू लिए गए, लेकिन अंतिम सहमति विनोद जाखड़ पर बनी। जाखड़ राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं । 2018 में उन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़कर यह पद हासिल किया था, जो एक ऐतिहासिक जीत थी। उस समय एनएसयूआई ने विनोद जाखड़ को टिकट नहीं दिया था।

दलित और आरएसएस विरोधी होने का फायदा मिला जाखड़ को:-

विनोद जाखड़ ने अपने भाषणों में छात्रों के अधिकार संघ-संगठन सक्रियता और शिक्षा प्रणाली में लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर जोर दिया है । विनोद जाखड़ को उनकी राजनीतिक यात्रा में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें उन्होंने शैक्षिक संस्थानों में आरएसएस विचारधारा के प्रभाव का विरोध भी किया है और इसके लिए वह विवादों में भी रहे । राजस्थान यूनिवर्सिटी में आरएसएस के प्रोग्राम के विरोध में उन्हें जेल भी रहना पड़ा था । इससे कहा जा सकता है कि विनोद जाखड़ आरएसएस के घोर विरोधी हैं, जिसका फायदा जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने में मिला ।

कांग्रेस की रणनीति:-

कांग्रेस पार्टी की रणनीति अब बदली हुई नजर आने लगी है । कांग्रेस में अब संगठनों में नए तरीके से नियुक्तियां की जा रही हैं । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अब दलित आदिवासी एवं पिछड़ी जातियों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तवज्जो दी जा रही है । कांग्रेस में सवर्ण जातियों का वर्चस्व समाप्ति की ओर है । कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि सवर्ण जातियां अब केवल भाजपा को पसंद करती हैं । इसलिए कांग्रेस ने बहुसंख्यक दलित, आदिवासी एवं पिछड़ों की ओर फोकस किया है । राजस्थान प्रदेश में पहली बार पिछड़ा वर्ग से कांग्रेस अध्यक्ष और दलित वर्ग से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं । इसलिए यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस में तेजी से बदलाव हो रहे हैं । पार्टी के लिए यह कितना फायदेमंद होगा भविष्य में ही पता चलेगा ।

वैश्विक मंचों पर देश का अपमान नहीं सहेगा भारत, कांग्रेस को आत्ममंथन की जरूरत - मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए आचरण की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि यह कोई साधारण राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा के विरुद्ध गंभीर कृत्य है। जब पूरा विश्व भारत की नेतृत्व क्षमता, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रभाव को स्वीकार कर रहा है, तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगियों द्वारा देश की छवि धूमिल करने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों की भागीदारी तथा 2.5 लाख लोगों के पंजीकरण ने यह सिद्ध किया है कि भारत आज वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्व के शीर्ष उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं ने भारत की तकनीकी प्रगति, डिजिटल परिवर्तन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुलकर सराहना की है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को अपने आचरण पर आत्ममंथन कर क्षमा याचना करनी चाहिए थी, इसके विपरीत उसके नेताओं ने ऐसे प्रदर्शन को उचित ठहराने का प्रयास किया। लोकतंत्र में सरकार और नीतियों की आलोचना का अधिकार सभी को है, किंतु देश के विरुद्ध प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को क्षति पहुँचाना अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व कल्याण, डिजिटल क्रांति और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी जी के शासन में डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने देश के छोटे से छोटे व्यापारी और सड़क विक्रेता तक को सशक्त बनाया है। भारत की तीव्र प्रगति को विश्व के अनेक नेताओं ने सार्वजनिक रूप से सराहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। पार्टी और सरकार की बैठकों में भी यह मार्गदर्शन दिया जाता है कि किसी भी वक्तव्य या कार्य से देश की गरिमा को आघात नहीं पहुँचना चाहिए। इसके विपरीत राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता निरंतर भारत की उपलब्धियों पर प्रश्न चिह्न लगाते रहे है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र का हिस्सा है, परंतु देश को बदनाम करना या राष्ट्र की छवि को नुकसान पहुँचाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए और देश को शर्मसार करने वाले कृत्यों से स्वयं को दूर रखना चाहिए। राठौड़ ने अंत में कहा कि भारत आज विश्व नेतृत्व की दिशा में अग्रसर है और देश की जागरूक जनता राष्ट्रहित के विरुद्ध किसी भी राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी।

युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित करते हैं ऐसे आयोजन

-जलमहल की पाल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले का हुआ आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर की धरती पर यह आयोजन गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड के भव्य एवं सफल आयोजन के बाद वायु सेना की ओर से आयोजित इस अद्भुत कार्यक्रम से यह साबित हुआ है कि जयपुर ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेना का गौरव लगातार बढ़ रहा है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर वायु सेना के अद्भुत पराक्रम एवं भारत की सुरक्षा मज़बूत हाथों में होने का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हमारी वायु सेना सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं और महामारी में भी लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने अद्वितीय हवाई कौशल और उत्कृष्ट करतबों से मंत्रमुग्ध करती है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

पूर्व सांसद जौनपुरिया को जब पता चला कि कंबल लेने वाली महिलाएं मुस्लिम हैं, तो वापस ले लिए

-कंबल वितरण का यह कार्यक्रम पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया का एक निजी कार्यक्रम था

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । क्या भाजपा में सांसद, विधायक और अन्य पदों के लिए टिकिट पाने का एक मात्र जरिया मुसलमानों के साथ भेद-भाव करना और फिर उस भेद-भाव की घटना को मीडिया में जोर-शोर से उठाना ही बचा है। वर्तमान में भाजपा के कई नेताओं द्वारा इसी तरह का कार्य किया जा रहा है, जिससे आगामी चुनावों में उनका टिकिट सुनिश्चित किया जा सके। ऐसा ही एक मामला टोंक जिले के निवाई क्षेत्र के करेड़ा बुजुर्ग गांव में स्थित सीताराम जी मंदिर परिसर में रविवार दोपहर 3:30 बजे सामने आया। इस कंबल वितरण प्रोग्राम में टोंक सवाई माधोपुर से पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया महिलाओं को कंबल वितरण कर रहे थे। कंबल बांटते समय जब उनको पता चला कि कंबल लेने

वाली महिलाओं में कुछ मुस्लिम महिला भी हैं, तो जौनपुरिया ने बांटे हुए कंबल वापस ले लिए। मुस्लिम महिलाओं सहित कार्यक्रम में मौजूद लोग पूर्व सांसद की इस हरकत से अवाक रह गए। कार्यक्रम में मौजूद किसी दर्शक ने संसद की इस हरकत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बाद में जौनपुरिया ने कहा कि यह लोग मोदी को गलत कहते हैं। कार्यक्रम के बारे में जौनपुरिया ने कहा कि यह मेरा निजी कार्यक्रम था न कि सरकारी कार्यक्रम।

यह प्रवृति देश के लिए घातक:-

देश में नफरत की राजनीति ने देश की जनता को बाँटकर रख दिया है। देश को चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश से खतरा है । लेकिन ऐसे लोग उस विषय पर कुछ नहीं बोलना चाहते हैं। देश के युवाओं में बेरोजगारी बढ़ रही है, सरकारी शिक्षा का ढांचा चरमरा रहा है, रोजगार के साधन घट रहे हैं, समाज में नशा बढ़ता जा रहा है, नशे के कारण युवा अपराधी बन रहे हैं । इसके अलावा देश और समाज में सैंकड़ों समस्याएं हैं । जिनको दूर करने से देश और समाज मजबूत होंगे। लेकिन स्वार्थ पूरा करने के लिए ऐसे नेता सिर्फ नफरत की राजनीति के अलावा कुछ नहीं समझ पा रहे हैं। जबकि देश की जनता आपस में मिल-जुल कर रहना चाहती है।

मुख्यमंत्री हिमंत की 'गन वाली तस्वीर' पर ओवैसी ने दर्ज कराई एफआईआर

हैदराबाद । एआईएमआईएम (AIMIM) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ हैदराबाद पुलिस में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत असम बीजेपी द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो के संदर्भ में की गई है, जिसे अब डिलीट कर दिया गया है। ओवैसी का आरोप है कि इस वीडियो में मुख्यमंत्री को मुसलमानों को 'शूट' करते हुए दिखाया गया था, जिसे उन्होंने हिंसक और भड़काऊ बताया है। ओवैसी ने हैदराबाद पुलिस कमिश्नर से इस मामले में सीएम सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए ओवैसी ने कहा कि दुर्भाग्य से नरसंहार वाले नफरती भाषण (Genocidal Hate Speech) अब एक सामान्य बात बन गए हैं।

बीजेपी ने डिलीट किया विवादित वीडियो

असदुद्दीन ओवैसी के मुताबिक, जिस वीडियो को लेकर विवाद शुरू हुआ है, उसे असम बीजेपी के आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया गया था । हालांकि, विवाद बढ़ने और तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया है । ओवैसी का दावा है कि वीडियो में दिखाई गई सामग्री न केवल हिंसक थी, बल्कि मुस्लिम समुदाय को निशाना बना रही थी ।

पुलिस कमिश्नर से सख्त कार्रवाई की मांग

हैदराबाद में दर्ज कराई गई इस शिकायत में ओवैसी ने मांग की है कि कानून के तहत असम के मुख्यमंत्री पर सख्त कार्रवाई की जाए । उन्होंने हैदराबाद पुलिस कमिश्नर से गुजारिश किया है कि नफरती भाषणों और हिंसा को बढ़ावा देने वाले इस तरह के कृत्यों पर लगाम लगाना जरूरी है । ओवैसी ने इसे समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा बताया है ।

'गाय को राष्ट्र पशु घोषित करना चाहिए' - आतिक अकील भोपाल से कॉंग्रेस विधायक

भोपाल । मध्य प्रदेश के भोपाल से कांग्रेस के मुस्लिम विधायक आतिफ अकील ने गाय को राष्ट्र पशु घोषित करने की मांग उठाई है । साथ ही उन्होंने इसे लेकर बीजेपी पर तंज भी कसा है । उन्होंने विधानसभा में अशासकीय संकल्प पेश कर कहा कि यदि हिंदू धर्म गाय को मां मानता है तो उसका सम्मान करते हुए उसे राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए । साथ ही उन्होंने गाय की मृत्यु पर अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने की भी बात कही है ।

क्या है आतिफ अकील की मांग ?

विधायक आतिफ अकील ने स्पष्ट रूप से कहा कि गाय को राष्ट्र पशु घोषित किया जाना चाहिए । उनका कहना है कि देश में करोड़ों लोग गाय को आस्था से जोड़कर देखते हैं । उन्होंने यह भी कहा कि यदि गाय की मृत्यु हो जाती है तो उसका अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक किया जाना चाहिए ।

चमड़े के व्यापार पर भी उठाया सवाल

आतिफ अकील ने अपने संकल्प में चमड़े के व्यापार को बंद करने की भी मांग की । उन्होंने कहा कि जब गाय को पूजनीय माना जाता है तो उससे जुड़े व्यापार पर भी पुनर्विचार होना चाहिए । उनका कहना था कि इस विषय पर पहले भी पहल की जा चुकी है, लेकिन ठोस निर्णय नहीं लिया गया । उन्होंने इसे सरकार की नीतियों और बयानों के बीच अंतर से जोड़कर देखा।

मेरे पिता द्वारा भी रखा गया था संकल्प

विधायक ने बताया कि साल 2017 में उनके पिता ने भी इसी तरह का अशासकीय संकल्प विधानसभा में रखा था । उस समय भी भाजपा सरकार सत्ता में थी, लेकिन बहुमत के बावजूद यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका ।

उन्होंने आरोप लगाया कि कथनी और करनी में अंतर है ।

उनका कहना है कि यदि सरकार वास्तव में गाय संरक्षण को लेकर गंभीर है तो उसे राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर कानूनी स्तर पर निर्णय लेना चाहिए । आतिफ अकील ने कहा कि गाय को राष्ट्र पशु घोषित करने से संरक्षण को मजबूत आधार मिलेगा । उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इस विषय को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाए ।

विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज बंधुओं ने हर्ष जताया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान से पहली बार एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई समाज के लिए गर्व की बात है। विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के संरक्षक व सेवानिवृत बीएसएनएल मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला कलेक्टर केआर बुनकर, समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, उपाध्यक्ष नाथूलाल बराला, कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह नारनोलिया, शंकरलाल सरावता, उप महासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लूनिवाल, गोपालचंद सोंगण, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, सांवरमल छेड़वाल, गोपाल लाल बुनकर, मूलचंद बॉयला, प्रहलाद राय जाटावत, संगठन सचिव कैलाश चंद कालोया, मुकेश कुमार कालोया, गोपीराम मेहरड़ा, हरिनारायण मरोडिया, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, कार्यकारी सदस्य घीसालाल बबेरवाल, चौथमल जाटावत, मूलचंद राय, कालूराम किरोड़ीवाल, गुलाबनाथ बुढगाया, सूर्य प्रकाश बाणिया, गोपाल लाल देवठिया, कैलाशचंद लाखीवाल, फूलचंद सिंगल, पूरणमल बबेरवाल, तुलसीराम बामणिया, समाजसेवी सुरेश कुमार महरिया, लालाराम महरडा, मनीष बिदावत, जालसू पंचायत समिति सदस्य व अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात कांग्रेस सचिव सुनीता वर्मा, समाजसेवी सायरचंद बुनकर, मिलाप चंद नारनोलिया सहित सभी बलाई समाज बंधुओं ने हर्ष जताया।

करेडा बुजुर्ग की घटना पर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह को पत्र

- पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया पर कार्रवाई की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। टोंक–सवाई माधोपुर लोकसभा सांसद हरीश चन्द्र मीना ने निवाई क्षेत्र के ग्राम करेडा बुजुर्ग में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरी चिंता और कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है, जिसमें मीडिया रिपोर्ट्स एवं वायरल वीडियो के अनुसार पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया द्वारा कंबल वितरण जैसे सेवा कार्यक्रम को भी साम्प्रदायिक भेदभाव का माध्यम बनाते हुए मुस्लिम महिलाओं से उनका धर्म पूछकर कंबल वापस ले लिया गया तथा राजनीतिक टिप्पणी की गई। सांसद मीना ने इस कृत्य को न केवल अमानवीय और असंवेदनशील बताया, बल्कि संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर सीधा आघात करार दिया है।

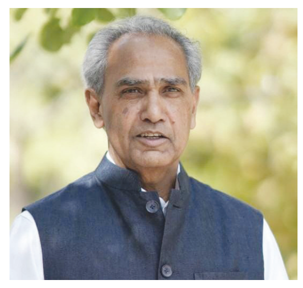

सांसद मीना ने इस संबंध में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा पूर्व सांसद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि देश में स्पष्ट संदेश जाए कि धर्म, जाति या राजनीतिक विचारधारा के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। सांसद ने पत्र में लिखा है कि यदि सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रभावशाली लोग समाज को धर्म और विचारधारा के आधार पर बांटने का प्रयास करेंगे और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तो इससे सामाजिक सौहार्द, आपसी विश्वास और देश की एकता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। एक जनप्रतिनिधि रह चुके व्यक्ति द्वारा इस प्रकार का व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अत्यंत चिंताजनक है। सांसद मीना ने कहा कि भारत की पहचान विविधता में एकता और सामाजिक सद्भाव से है, और इसे कमजोर करने वाली किसी भी मानसिकता के विरुद्ध सख्त कदम उठाना आवश्यक है। पूर्व सांसद के इस व्यवहार से प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है और देश की छवि भी प्रभावित हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

खाटू श्याम पदयात्रियों की सुविधा को लेकर जिला कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

-संस्कार सृजन संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

-जिला कलेक्टर और एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर को करवाया समस्याओं से अवगत

गोविंदगढ़/चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी फाल्गुन माह में बाबा श्याम का लक्खी मेला 21 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। विभिन्न समाजसेवी लोगों और संस्थाओं द्वारा भंडारा लगाकर पद यात्रियों की सेवा की जाती है, जो सराहनीय रहती है। मेले के दौरान पद यात्रियों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी को लेकर आज संस्कार सृजन संस्था चौमूं के कार्यकारी अध्यक्ष और पशुक्रूरता निवारण समिति जयपुर के सदस्य शेरसिंह कुमावत के नेतृत्व में जिला कलेक्टर जयपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यकारी अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत ने बताया कि ज्ञापन में भंडारा आयोजकों द्वारा प्रचुर मात्रा में प्लास्टिक डिस्पोजल के उपयोग पर पाबंद करने, एनएच 52 पर पदयात्रियों के लिए बने क्षतिग्रस्त श्याम पथ को दुरुस्त करवाने, भंडारा आयोजकों को श्याम पथ की परिधि को छोड़कर ही टेंट लगाने की अनुमति देने, भंडारे के दौरान फैली गंदगी और कूड़े-कचरे के निस्तारण करने के लिए आयोजकों को पाबंद करने और श्याम पद

यात्रियों के लिए चल शौचालय की व्यवस्था करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा। शेर सिंह ने आगे बताया कि भंडारे के दौरान प्लास्टिक डिस्पोजल के उपयोग से पर्यावरण दूषित होता है और निराश्रित गोवंश कूड़ा कचरा खाकर अकाल मृत्यु का शिकार बनता है, इससे बचाया जा सकेगा। श्याम पथ के दुरुस्त होने से पद यात्रियों को सुगम और सुरक्षित पथ मिल सकेगा। श्याम पथ को छोड़कर भंडारा लगाने से सड़क हादसों में कमी के साथ-साथ नेशनल हाईवे पर वाहनों को रोड जाम से निजात मिलेगी। साथ ही कूड़ा कचरे का समय पर निस्तारण होने से श्याम पद यात्रियों और स्थानीय लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा। वहीं चल शौचालय की व्यवस्था होने से गंदगी नहीं फैलेगी और बाबा श्याम के प्रति धार्मिक आस्था बनी रहेगी। ज्ञापन में जिला कलेक्टर से संबंधित विभाग एनएचएआई, स्थानीय प्रशासन और भंडारा आयोजकों को तत्काल निर्देशित करने की मांग की गई। वहीं एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय आर्य को टांटियावास टोल प्रशासन द्वारा बंद पड़ी रोड लाइटो को चालू करवाने, सड़क किनारे पड़े गड्ढों को भरवाने और पशु विचरण क्षेत्र के संकेतक लगाने सहित उपरोक्त मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरानक्ष पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉक्टर हनुमान सहाय मीणा, लोकेश डेनवाल, विजय कुमावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

चौमूं के निवासी शंकर गोरा बने भाजपा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष पद पर चौमूं निवासी शंकर लाल गोरा को मनोनीत किया गया है। इस मौके पर गोरा के भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेशाध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं प्रशंसकों ने खुशी जाहिर कि।

हम्मीर ब्रिज पर जाम से राहत दिलाने में जुटी यातायात पुलिस

-चौड़ीकरण कार्य के बाद मिलेगी स्थायी राहत

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित हम्मीर ब्रिज पर पिछले कई वर्षों से जाम की समस्या बनी हुई है, लेकिन यातायात पुलिस के जवान लगातार मुस्तैदी के साथ व्यवस्था संभालते हुए आमजन को राहत दिलाने में जुटे नजर आते हैं। पुलिसकर्मी दिनभर मौके पर तैनात रहकर वाहनों को सुचारु रूप से निकालने का प्रयास करते हैं, ताकि अनावश्यक जाम की स्थिति पैदा न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इन दिनों शादी समारोह के सीजन के चलते वाहनों की संख्या बढ़ने से सुबह से ही जाम के हालात बनने लगते हैं, जिससे आमजन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद यातायात पुलिसकर्मी धैर्य और सक्रियता

के साथ यातायात को नियंत्रित कर स्थिति सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं हम्मीर ब्रिज के चौड़ीकरण का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। चौड़ीकरण पूरा होने के बाद जाम की समस्या में काफी हद तक स्थायी समाधान होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे आमजन के साथ-साथ यातायात पुलिस को भी राहत मिलेगी। हालांकि निर्माण कार्य के चलते ब्रिज पर सड़क पर गिट्टियां फैली होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में संबंधित ठेकेदार द्वारा सड़क पर फैली सामग्री को समय पर हटवाया जाना आवश्यक है, ताकि संभावित हादसों से बचाव किया जा सके।

सवाई माधोपुर के डॉ. गणपत लाल वर्मा क्लिनिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026 से गुरुग्राम में हुए सम्मानित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । सवाई माधोपुर के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गणपत लाल वर्मा (PT) को गुरुग्राम में आयोजित PhysioConnect 6 International Conference 2026 के दौरान Clinical Excellence Award 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बहरीन साम्राज्य के भारत में माननीय राजदूत H.E. Abdul Rahman AlGaoud, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PMO) कार्यालय से जुड़े श्री कृष्ण कुमार गौर तथा The Mayra Foundation के चेयरमैन डॉ. सर्वोताम चौहान के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. वर्मा को यह पुरस्कार फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास (Rehabilitation) के क्षेत्र में उत्कृष्ट क्लिनिकल कार्य, मरीजों के प्रति समर्पण तथा उच्च गुणवत्ता वाली उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए दिया गया। डॉ. वर्मा वर्तमान में सवाई माधोपुर स्थित राधा स्वामी फिजियोथैरेपी & रिहैबिलिटेशन

सेंटर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और क्षेत्र में न्यूरो एवं ऑर्थो रिहैबिलिटेशन के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। यह उपलब्धि न केवल डॉ. वर्मा के लिए बल्कि पूरे सवाई माधोपुर जिले के लिए गर्व का विषय है।

सियासत न करना

मेरे साथ रह कर सियासत न करना
मेरी जान हो तुम बग़ावत न करना
मेरा मशविरा इक हुकम की तरह है
कभी दुश्मनों पर इनायत न करना
जो मानो ख़ुदा है न मानों तो क्या है
इन बातों में पड़कर इबादत न करना
जहां उलझनें हों वहां तुम ना रहना
मोहब्बत में मेरी अदावत न करना
शहंशाहे वक़्त हो तुम हुस्ने तबस्सुम
कभी भी ख़िलाफ़े रफ़ाक़त न करना
बहुत प्यार से पाला पोसा है तुमको
जवां हो रहे हो हिमाकत न करना

-फ़ज़लुर्रहमान

उम्मेद पोर्टल पर दर्ज 767 पंजीकृत संपत्तियों में से 128 ही स्वीकृत

-शेष सम्पत्तियाँ आपत्तियों के कारण लंबित, 22 मार्च तक पुन: करवाए पंजीकरण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले की वक्फ सम्पत्तियाँ-मस्जिदें, मदरसे, दरगाहें एवं कब्रिस्तान-जो दिसंबर तक उम्मेद पोर्टल पर दर्ज की गई थी। तथा राजपत्र (गजट) के अनुसार कुल 767 सम्पत्तियाँ पंजीकृत बताई गई थीं, उनमें पाई गई विभिन्न त्रुटियों के कारण पोर्टल पर अनेक आपत्तियाँ दर्ज हुई हैं। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मनोज कुमार मीना के अनुसार अब तक केवल 128 वक्फ सम्पत्तियाँ ही स्वीकृत हो पाई हैं, जबकि शेष सम्पत्तियाँ आपत्तियों के कारण लंबित हैं। ऐसी स्थिति में सभी संबंधित वक्फ कमेटियों, मुतवल्लियों एवं प्रबंधकों से आग्रह है कि वे आवश्यक कमी-पूर्ति कर संबंधित दस्तावेजों के साथ अपनी वक्फ सम्पत्तियों—मस्जिद, मदरसा, दरगाह एवं कब्रिस्तान की भूमि—को पुनः उम्मेद पोर्टल पर विधिवत दर्ज कराएं, ताकि सम्पत्तियों की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उम्मेद पोर्टल पर आवश्यक सुधार एवं स्वीकृति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

रमजान रहमत, बरकत व इबादत का महीना है- पठान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने रमजान मुबारक के प्रथम जुम्मे की मुबारकबाद देते हुए कहा कि माहे रमजान का चांद दिखने के साथ ही रोजेदारों ने रोजे रखे। बाजार में भी रौनक बढ़ने लगी इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार साल का नौवां महीना रमजान का होता है इस मुकद्दस माहे रमजान को रहमत और बरकत, इबादत वाला महीना कहा जाता है इस्लाम में जुम्मा (शुक्रवार) को सभी दिनों का सरदार माना गया है, और जब यह पवित्र रमजान महीने में आता है, तो इसकी अहमियत और बरकत कई गुना बढ़ जाती है।

माहे रमजान में जुम्मे की मुख्य अहमियत है:

सवाब की अधिकता:
रमजान में हर नेक काम का सवाब (पुण्य) 70 गुना या उससे भी अधिक मिलता है। चूँकि जुम्मा पहले से ही एक मुकद्दस दिन है, इसलिए इस दिन की इबादत, नमाज़ और दान-पुण्य का फल अत्यधिक बढ़ जाता है।

गुनाहों की माफी:
हदीस के अनुसार, एक जुम्मे से दूसरे जुम्मे तक के बीच के छोटे गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। रमजान के जुम्मे में सच्चे दिल से की गई तौबा और इबादत अल्लाह की रहमत और मगफिरत (क्षमा) का जरिया बनती है।

दुआओं की कबूलियत:
जुम्मे के दिन एक ऐसी घड़ी (वक्त) आती है जिसमें मांगी गई हर जायज दुआ कबूल होती है। रमजान के रोजे के साथ इस खास वक्त में दुआ करना बेहद फजीलत वाला माना जाता है।

सामुदायिक एकता:
जुम्मे की नमाज़ के लिए मुसलमान बड़ी संख्या में मस्जिदों में जमा होते हैं, जिससे आपसी भाईचारा, एकता और सहानुभूति की भावना मजबूत होती है।

जुमातुल विदा (अलविदा जुम्मा):

रमजान के आखिरी जुम्मे को 'अलविदा जुम्मा' कहा जाता है। यह दिन रमजान के जाने का अहसास कराता है और मुसलमान इस दिन विशेष प्रार्थनाएँ करते हैं ताकि वे इस पाक महीने की बरकतों को समेट सकें।

जुम्मे के दिन के कुछ विशेष कार्य:
गुस्ल (स्नान) करना और साफ-सुथरे कपड़े पहनना। सूरह कहफ की तिलावत करना। नबी करीम (स.अ.व.) पर अधिक से अधिक दरूद शरीफ भेजना। गरीबों और जरूरतमंदों की मदद (सदका) करना है।

उपखण्ड अधिकारी को सर्व समाज व राजपूत समाज की ओर से ज्ञापन दिया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राजकीय चिकित्सालय चौमूं जो आजादी के पूर्व चौमूं के तत्कालिन शासक ठाकुर देवी सिंह द्वारा जनहित में निर्मित करवाया था। का नाम किसी शहीद के नाम करवाने का प्रयास किया जा रहा है जो बिल्कुल गलत है। आज चौमूं में मुख्यमंत्री के नाम सर्व समाज व राजपूत समाज की ओर से इस प्रयास का विरोध करते हुए उपखण्ड अधिकारी, चौमूं को ज्ञापन देकर मांग की गई की या तो वर्तमान में जो नाम प्रचलन में है उसको यथावत रखा जावें या फिर उपजिला चिकित्सालय चौमूं का नाम इसको बनाकर चौमूं की जनता के लिए समर्पित करने वाले ठाकुर देवी सिंह के नाम रखने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में एडवोकेट भंवर सिंह इटावा भोपजी, एडवोकेट महेंद्र सिंह सिंगोद, एडवोकेट अजीत सिंह मानपुरा, हनुमान सिंह नाथावत नांगल भरड़ा, रविन्द्र सिंह चौमूं राजपूत सभा अध्यक्ष थे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

जनहित की जीत – शाहपुरा में सड़क कार्य शुरू

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। नरसिंह मंदिर से तिब्बा बस्ती क्षेत्र की जर्जर सड़क को लेकर दिगराज सिंह शाहपुरा ने संबंधित विभाग को सूचना के अधिकार के तहत शिकायत प्रस्तुत की थी। लंबे समय से आमजन इस समस्या से परेशान थे। दिगराज सिंह शाहपुरा की शिकायत एवं लगातार फॉलोअप के बाद अब इस सड़क का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा की यह किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि जनहित की जीत है। मेरा संकल्प है – जहाँ समस्या होगी, वहाँ आवाज़ भी उठेगी और समाधान भी होगा। शाहपुरा की जनता की सेवा मेरा दायित्व है, और इसी तरह हर मुद्दे पर मजबूती से खड़ा रहूँगा।

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

जरूरतमंद बुजुर्गों को कंबल वितरित किए,जिन्हें पाकर चेहरे खिल उठे

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सवाई माधोपुर द्वारा शनिवार को मोरडूंगरी, हिन्दवाड़ से विस्थापित परिवारों के निवास स्थल ग्राम तिलकनगर, सवाई माधोपुर में जरूरतमंद बुजुर्गों को 15 कंबल वितरित किये गए। इस अवसर पर अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सवाई माधोपुर की उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया, श्रीमती ममता, अनेक ग्रामवासी पुरुष एवं महिलाएँ उपस्थित रहे। अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी

लगातार गरीब व जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने में अपनी भूमिका अग्रसर रखता है व बीते सर्दी के मौसम में लगातार विद्यालयों में जर्सियां भी बांटी गई।

पृष्ठ एक का शेष....

युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित करते हैं.......

भारतीय वायुसेना के एम्बेसडर्स सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्कॉड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही हैं। इन पायलट्स ने वर्षों की कठिन मेहनत, अटूट अनुशासन और असाधारण कौशल के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

शर्मा ने कहा कि यह आयोजन नागरिक और सेना के बीच अटूट रिश्ते का उत्सव है। इस तरह के आयोजन से युवाओं के मन में सेना में जाने का संकल्प जन्म लेता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय गौरव और रक्षा सेवाओं के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा देता है। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात मुख्यमंत्री ने मौजूद जनसमूह के बीच जाकर उनका अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

आसमान में गूंजा

"खम्मा घणी" और "राम-राम सा" जल महल पर खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। टीम ने सारंग स्पिलिट, एरोहैड, डॉल्फिन लीप, लेवल क्रॉस, हाई स्पीड क्रॉस, क्रॉस ओवर ब्रेक, डायमंड एवं इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी अनेक आकृतियां आसमान में बनाई।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने इन्वर्टेड रन, बैरल रोल, बॉम्ब बर्स्ट, डीएनए संरचना जैसी अनेक आकृतियों के साथ आसमान में दिल बनाकर वायु सेना की ओर से जयपुरवासियों का अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों टीमों द्वारा कॉकपिट से "खम्मा घणी" और "राम-राम सा" का उद्घोष जनता के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

नगर निगम में कुत्तों की नसबंदी करने वाले ठेकेदार से मांगे 15 लाख

-4 लाख लेते कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र सिंह रंगे हाथों धरा गया
-रिश्वत मांगने वाले डॉ. योगेश शर्मा व डॉ. राकेश कलोरिया गिरफ्तार
-नगर निगम में सफाई, सड़क, भवन निर्माण अनुमति, कचरा परिवहन एवं गलियों की सफ़ाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर में आये दिन आवारा कुत्ते बच्चों एवं बड़ों को काट रहे हैं । नगर निगम ने कुत्ते पकड़ने, कुत्तों की नसबंदी करने का ठेका दे रखा है । कुत्ते पकड़ने एवं नसबंदी करने के लिए नगर निगम करोड़ों रुपए खर्च करता है । इसके बाद भी जयपुर में कुत्तों की संख्या कम होती दिखाई नहीं दे रही है । जयपुर शहर में दर्जनों बच्चे बड़े प्रतिदिन आवारा कुत्तों द्वारा काटे जा रहे हैं और अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं । आवारा कुत्तों, बंदरों, गायों की संख्या जयपुर शहर में कम नहीं होने का मुख्य कारण है भ्रष्टाचार । जयपुर नगर निगम (हेरिटेज और ग्रेटर) का बजट यदि सही तरीके से खर्च किया जाए जाए तो शहर में अच्छी सड़कें, अच्छी सफाई, बिना अतिक्रमण के गलियां सड़कें, सरकारी भवन और अच्छी सीवर लाइन दिखाई देने लगेगी । लेकिन नगर निगम को मिलने वाला बजट निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेकेदारों एवं सत्ताधारी पार्टी के राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा लूटा जा रहा है । जनता परेशान है । एंटी करप्शन ब्यूरो नगर निगम में तब ही कार्यवाही करता है, जब शिकायत की जाती है । जबकि वह किसी भी कार्य आदेश जो नगर निगम द्वारा किया गया है, यदि फिजिकल वेरीफिकेशन किया जाए तो सबकी पोल खुलकर सामने आ जाएगी ।

डॉ. राकेश डॉ. योगेश शर्मा जितेन्द्र सिंह

4 लाख लेते रंगे हाथ पकड़ा-

एसीबी ने नगर निगम के पशु प्रबंध शाखा के डॉ. योगेश शर्मा और डॉ. कलोरिया के दलाल को 4 लाख रुपये लेते रंगे हाथों पकड़ लिया । इन दोनों पशु चिकित्सकों की दलाली कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र सिंह करता था । एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी जयपुर नगर निगम प्रथम जयपुर इकाई को एक लिखित शिकायत इस आशय की मिली कि जयपुर शहर में आवारा कुत्तों के नसबंदी एवं टीकाकरण के लिए आमंत्रित निविदाओं में परिवादी को टेंडर मिला, जिस पर परिवादी द्वारा टेंडर का कार्य पूर्ण किया जाकर बिल बनाकर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय में पेश करने के उपरांत टेंडर की शर्तों के अनुसार कुत्तों से निकाले गए Uterus एवं Testicles की गणना नगर निगम हेरिटेज के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा नहीं कर रहा है तथा गणना एवं बिल फॉरवर्ड करने की एवज में सभी बकाया बिलों के 12 लाख रुपए रिश्वत की मांग कर रहा है तथा नगर निगम ग्रेटर में परिवादी द्वारा कुत्तों की नसबंदी एवं टीकाकरण के किए गए कार्यों के माह नवंबर एवं दिसंबर 2025 के बिल बनाकर नगर निगम ग्रेटर में पेश करने के उपरांत भी कुत्तों से निकल गए Uterus एवं Testicles की गणना पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कलोरिया द्वारा नहीं करने तथा बिलों को फॉरवर्ड करने के लिए 2 लाख रुपये प्रति माह कुल 4 लाख रुपए तथा 1 जनवरी 2026 से 3.5 लाख रुपए प्रति माह के हिसाब से रिश्वत की मांग की जा रही है । दोनों पशु चिकित्सा अधिकारी अपने कार्यालय के कर्मचारी जितेन सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से रिश्वत प्राप्त करना चाह रहे हैं । रिश्वत का सत्यापन करवाए जाने पर दोनों पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा कुल 15 लाख रुपए की मांग करना पाया गया । जिस पर ट्रेप टीम ने आरोपी जितेंद्र सिंह को डॉ. योगेश शर्मा और डॉ. राकेश कलोरिया के लिए परिवादी से 4 लाख रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया । ब्यूरो की अन्य टीमों ने दोनों चिकित्सकों को भी गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार किए गए चिकित्सकों से पूछताछ जारी है ।

नगर निगम में भ्रष्टाचार-

वैसे तो नगर निगम में एसीबी की कार्यवाही पहली बार नहीं हुई है । पहले भी एसीबी भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही कर चुकी है । नगर निगम के भ्रष्टाचार के बारे में शहर का बच्चा-बच्चा जानता है । लेकिन शिकायत कुछ एक लोग ही करते हैं । शहर में अवैध डेयरियों में लगातार कार्यवाही चलती रहती है । फिर भी अवैध डेयरी शहर में धड़ल्ले से चल रही हैं । कारण भ्रष्टाचार है । सड़कों पर, सरकारी जमीनों पर, फुटपाथ पर अतिक्रमण हो रहा है, इसका कारण भी भ्रष्टाचार है । सड़कें हर वर्ष नहीं बनती हैं, 30 प्रतिशत सड़कें कागजों में बनाकर फंड उठाया जाता है । कचरा परिवहन और हूपर से डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन में बड़ी धांधली चल रही है । शहर की गलियां कागजों में साफ हो रही है, लेकिन मौके पर मलबे और कचरे से भरी पड़ी हैं । एसीबी को बिना शिकायत भी नगर निगम में कार्यवाही करनी चाहिए । क्योंकि नगर निगम में बैठे अधिकारी एवं कर्मचारी अपने उद्देश्य और कर्तव्य से भटक रहे हैं । सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि भी भ्रष्टाचार में शामिल दिखाई दे रहे हैं । जबकि नगर निगम का कर्तव्य बनता है कि जयपुर शहर के नागरिकों को अच्छी सड़क, अच्छी साफ-सफाई एवं अच्छे परिवहन की सुविधा दी जाए ।

नाम बदला लेकिन हालात नहीं बदले

-रामनिवास बाग स्थित डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र बदहाली की मार झेल रहा है

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शहर के मध्य स्थित रामनिवास बाग में बना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिसका हाल ही में नाम बदलकर डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र कर दिया गया, आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव और निगम की कथित लापरवाही का शिकार हो रहा है। पहले यह परिसर केवल "रामनिवास बाग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स" या "स्पोर्ट्स अकादमी" के रूप में जाना जाता था और इसका कोई अलग औपचारिक नाम नहीं था। नाम परिवर्तन के बाद उम्मीद की जा रही थी कि खेल सुविधाओं में सुधार होगा, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। मैदान के बाहर और आसपास कचरे के ढेर साफ दिखाई देते हैं। नियमित सफाई व्यवस्था का अभाव यहां आने वाले खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। कई जगहों पर प्लास्टिक, सूखा कचरा और अन्य अपशिष्ट फैला हुआ नजर आता है, जिससे न केवल सौंदर्य बिगड़ता है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी पैदा होते हैं। यह स्थिति तब है जब रामनिवास बाग शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में गिना जाता है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। खेल केंद्र के भीतर भी हालात संतोषजनक नहीं हैं। मैदान में समुचित रखरखाव की कमी साफ दिखाई देती है। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और दर्शकों के लिए शेड या सुरक्षित स्थान का अभाव है। पेयजल, और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं तो नदारद हैं। सवाल सिर्फ यह की क्या नाम बदलने से अधिक जरूरी है कि मैदान की वास्तविक स्थिति में सुधार किया जाए। यदि निगम और संबंधित विभाग नियमित निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित करें, तो यह मैदान शहर के युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट खेल केंद्र बन सकता है। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वह शहर के सार्वजनिक खेल स्थलों की नियमित सफाई, मरम्मत और विकास पर ध्यान दे। खेल सुविधाएं किसी भी शहर के युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो यह मैदान धीरे-धीरे उपेक्षा का शिकार होकर अपनी उपयोगिता खो सकता है। नाम परिवर्तन के साथ यदि बुनियादी ढांचे का विकास भी किया जाता, तो यह कदम वास्तव में सार्थक माना जाता। फिलहाल स्थिति यह संकेत देती है कि केवल नाम बदल देने से तस्वीर नहीं बदलती। जरूरत है ठोस कार्ययोजना, नियमित बजट आवंटन और प्रभावी निगरानी की, ताकि डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र अपने नाम के अनुरूप एक सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक खेल परिसर बन सके।

सज्जाद अजीज एडवोकेट अध्यक्ष एवं शुजाअत राजा एडवोकेट सचिव निर्वाचित

-काउंसिल ऑफ़ टैक्स प्रोफेशनल्स के चुनाव संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । काउंसिल ऑफ़ टैक्स प्रोफेशनल्स की कार्यकारिणी के सदस्यों एवं पदाधिकारियों के 7 फरवरी 2026 को चुनाव संपन्न करवाए गए । कार्यकारिणी के चुनाव निर्वाचन अधिकारी सी.ए. रघुवीर सिंह पूनिया के निर्देशन में करवाए गए । कार्यकारिणी के लिए सज्जाद अजीज एडवोकेट को अध्यक्ष, शुजाअत राजा एडवोकेट को सचिव, फ़जलुर्रहमान खान एडवोकेट को उपाध्यक्ष, आफताब खान एडवोकेट को संयुक्त सचिव एवं सरवर आलम एडवोकेट को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया । इसी तरह मोहम्मद रेहान एडवोकेट, सादिक अजीज चार्टर्ड अकाउंटेंट, सैयद मुर्तजा दिलशाद एडवोकेट, शफी मोहम्मद चौहान एडवोकेट, अमजद अली टैक्स सलाहकार एवं जुबैर नकवी एडवोकेट को सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का सदस्य निर्वाचित किया गया । एजीएम के दौरान नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति को विधिवत शपथ दिलाई गई । सभी कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिषद के नियमों, उद्देश्यों तथा पेशेवर गरिमा के पालन की शपथ ली ।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सज्जाद अज़ीज़ एडवोकेट में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में परिषद की भावी कार्य योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कर-जागरूकता पेशेवर प्रशिक्षण एवं संगठन को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया । उन्होंने आगामी अवधि में टैक्स कांफ्रेंस (Tax Conference) आयोजित करने की योजना की घोषणा की, जिससे कर पेशेवरों को नवीन कानूनों एवं व्यावहारिक अनुभवों का लाभ मिल सके । साथ ही उन्होंने परिषद का सदस्य अभियान (Membership Program) प्रारंभ करने की प्रतिबध्दता व्यक्त की, जिसका विस्तार संपूर्ण राजस्थान स्तर पर किया जाएगा । वहीं सचिव शुजाअत राजा एडवोकेट ने परिषद के आगामी कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया ।

गणगौरी बाजार में 108 करोड़ की लागत से बन रहे 300 बेड का निर्माण कार्य रुका

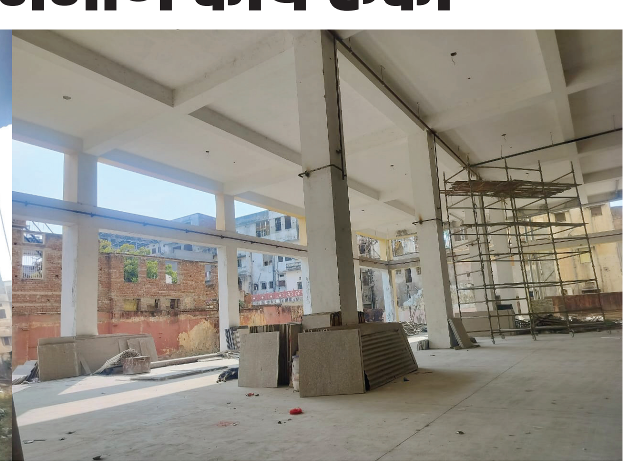

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । गणगौरी बाजार में 108 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 300 बेड के सुपर स्पेशियलिटी मिनी एसएमएस अस्पताल की हकीकत जानने के लिए रॉयल पत्रिका की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पाया कि भवन का ढांचा लगभग तैयार है, लेकिन फिनिशिंग, उपकरण स्थापना और अंदरूनी कार्य अधूरे पड़े हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि महीनों से निर्माण स्थल पर ठोस गतिविधि दिखाई नहीं दी, जबकि यह अस्पताल परकोटे के करीब 8 लाख लोगों के लिए बड़ी राहत बनने वाला था।

108 करोड़ की घोषणा, लेकिन अधूरा सपना

वर्ष 2021 के बजट में पिछली सरकार ने इस 300 बेड के अस्पताल की घोषणा की थी। 50 करोड़ रुपये सिविल वर्क और 58 करोड़ रुपये अत्याधुनिक उपकरणों के लिए स्वीकृत किए गए। अक्टूबर 2022 में काम शुरू हुआ और दिसंबर 2023 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन जनवरी 2026 तक भी अस्पताल पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया। 28 फरवरी 2026 की नई डेडलाइन भी समाप्ति पर है, फिर भी प्रोजेक्ट अधूरा है।

300 बेड और आधुनिक सुविधाएं अब भी कागजों में

इस अस्पताल में एमआरआई, सीटी स्कैन, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और न्यूरोसर्जरी जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू होनी थीं। साथ ही ब्लड बैंक, मॉर्चरी, नवजात और गर्भवती महिलाओं के लिए आईसीयू, एनएबीएच लैब, आधुनिक इमरजेंसी, डेंटल और मानसिक रोग विशेषज्ञ की सुविधा भी प्रस्तावित थी। लेकिन दो साल से अधिक की देरी ने इन सभी सुविधाओं को अभी तक फाइलों में ही रोक रखा है।

मुख्य गेट विवाद बना अड़चन

डीपीआर के अनुसार अस्पताल का मुख्य गेट चौगान स्टेडियम की ओर खुलना था, लेकिन स्पोर्ट्स काउंसिल ने आपत्ति जता दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए गेट निर्माण रुकवा दिया गया। इसके बाद ठेकेदार ने काम रोक दिया। भवन का स्ट्रक्चर खड़ा है, मगर फिनिशिंग का काम 29 महीनों से ठप है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य के हस्तक्षेप से मामला उलझा

नई सरकार बनने के बाद स्थानीय विधायक बालमुकुंदाचार्य ने निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठाकर काम रुकवाया। जांच कमेटी बनी, रिपोर्ट में सुधार के साथ काम आगे बढ़ाने की सिफारिश भी की गई, लेकिन इसके बावजूद निर्माण दोबारा शुरू नहीं हो सका। अधिकारी भी मान रहे हैं कि विधायक के निर्देश के बिना काम आगे नहीं बढ़ेगा। इससे यह परियोजना राजनीतिक खींचतान में फंसती नजर आ रही है।

बढ़ती लागत, घटता भरोसा

लगातार देरी से लागत बढ़ने की आशंका है। पिछली सरकार ने बजट में घोषणा कर नींव रखी, लेकिन सरकार बदलने के बाद भी समय पर कार्य पूरा नहीं हो पाया। 29 महीने से बंद पड़े इस प्रोजेक्ट ने प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विभागीय समन्वय पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता के सब्र की आखिरी सीमा

परकोटे के बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज आज भी बेहतर इलाज के लिए दूर अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। 300 बेड का यह सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल यदि समय पर बन जाता, तो हजारों लोगों को राहत मिलती। अब जनता पूछ रही है—आखिर जिम्मेदारी तय कब होगी और यह अस्पताल हकीकत में कब बदलेगा?

जेडीए ने आठ बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 मे निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया की जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम माचवां, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके, सीमेन्ट के ब्लॉक की बाउण्ड्रीवाल, पिल्लर व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर शुक्रवार को जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाही उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा राहुल कोटोकी ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 01412575151 पर 24गx7; हेल्पलाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल dig.jda@rajpolice.gov.in, cce.jda@rajasthan.gov.in, enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

3.45 प्रतिशत वृद्धि के साथ जयपुर जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 44 लाख 35 हजार 111 हो गई

-विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत जयपुर की अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 04 नवंबर 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42,87,103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1,57,431 फॉर्म-6/6A, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की सूचियाँ फॉर्म-9, 10, 11, 11ए एवं 11बी में तैयार कर प्रत्येक कार्य दिवस को कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की गईं। प्रति सप्ताह प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की सूचियाँ मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ साझा की गईं तथा इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त दावे-आपत्तियों का निस्तारण कर 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। प्रारूप सूची में 42,87,103 मतदाताओं की तुलना में 3.45 प्रतिशत वृद्धि के साथ जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 44,35,111 हो गई है। इनमें 23,04,523 पुरुष, 21,30,509 महिला तथा 79 ट्रांसजेंडर मतदाता सम्मिलित हैं। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची-2026 की एक सॉफ्ट कॉपी (फोटो रहित) एवं एक हार्ड कॉपी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। यह सूची DEO जयपुर की वेबसाइट (https://jaipur.rajasthan.gov.in), CEO राजस्थान की वेबसाइट (https://election.rajasthan.gov.in) तथा Election Commission of India के मतदाता पोर्टल (https://voters.eci.gov.in) पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक समारोह संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रताप नगर, सांगानेर स्थित लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल में रविवार, 15 फरवरी 2026 को वार्षिक समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, गीत और नाट्य मंचन शामिल रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और सभागार तालियों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अबुल हसन कागज़ी, उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सैयद सआदत एवं एस. एम. नासिर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अतिथियों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रेटर इजराईल के लिए काम कर रहे हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति इजराईल के इशारे पर काम कर रहे हैं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णयों से तो यही समझा जा सकता है। इजराईल को बचाने या इजराईल की सुरक्षा करने के लिए अमेरिका ने सब कुछ दाव पर लगा दिया है। अमेरिका इसराईल को भारी मात्रा में हथियार, पैसा एवं सैनिक उपलब्ध करवा रहा है। वर्तमान में इजराईल अमेरिका के लिए गले की हड्डी बन गया है। इजराईल के लिए अमेरिका ने ईरान सहित दर्जनों मुस्लिम और दूसरे देशों से दुश्मनी ले रखी है या फिर यह भी कहा जा सकता है कि इजराईल अमेरिका का एक प्रोक्सी देश है। अमेरिका ने ही उसे पश्चिमी मुस्लिम देशों को कंट्रोल करने के लिए स्थापित एवं विकसित किया है। इजराईल वैसे एक छोटा-सा देश है, लेकिन अमेरिका और भारत जैसे बड़े देशों पर बड़ा प्रभाव रखता है। अमेरिकी राष्ट्रपति इजराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कभी विरोध में नहीं बोलते देखे गए हैं। इसी तरह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ नहीं बोलते हैं। माना यह भी जा रहा है कि इसराईल ने दोनों को ही सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने में बड़ी मदद की है। इजराईल का भविष्य खतरे में है। इजराईल चारों तरफ से मुस्लिम देशों से घिरा हुआ है। फिलिस्तीन की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले सशस्त्र संगठन हमास से उसका संघर्ष चल रहा है। इसराईल के वर्तमान में किसी भी मुस्लिम देश से अच्छे संबंध नहीं हैं। इजराईल के कारण अमेरिका के भी मुस्लिम देशों से रिश्ते खराब होते जा रहे हैं। इजराईल और ईरान के बीच 12 दिन का भीषण युद्ध हुआ। इस भीषण युद्ध के कारण इजराईल की आर्थिक एवं सैन्य स्थिति में काफी गिरावट आई है। इस युद्ध के बाद इजराईल से अब कोई भी मुस्लिम देश नहीं डरता है। लेकिन ईरान युद्ध से पहले इजराईल की पश्चिमी एशिया में एक डॉन जैसी स्थिति थी। विश्व में एकमात्र ऐसा देश था इजरायल जो किसी भी पड़ौसी और गैर पड़ौसी मुस्लिम देश पर मिसाइलों, लड़ाकू विमानों एवं ड्रोनों से आक्रमण कर सकता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब इसराईल घायल शेर की तरह है। इजराईल चाहता है कि अमेरिका ईरान पर भीषण हमला करे, जिससे ईरान बर्बाद हो जाए। यदि ईरान बर्बाद नहीं हुआ तो यह भी निश्चित है कि वह इसराईल को जरूर बर्बाद कर देगा। इसराईल इसलिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा रहा है कि अमेरिका ईरान पर आक्रमण करे। लेकिन ईरान की मिसाईल तकनीक और चीन एवं रूस के हथियारों की मदद के कारण ईरान एक बड़ी सैन्य ताकत बन गया है। अमेरिका भी ईरान से डरने लगा है। अमेरिका चाहते हुए भी ईरान पर हमला नहीं कर पा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि यदि अमेरिका ईरान पर हमला करने के बाद भी कुछ नहीं बिगाड़ पाया तो अमेरिका की बर्बादी होना तय माना जा रहा है। यदि अमेरिका ईरान में युद्ध नहीं हुआ तो इजराईल के बुरे दिन भी शुरू हो सकते हैं। अमेरिका भी इसराईल को नहीं बचा पाएगा, क्योंकि इसराईल सभी मुस्लिम देशों को गुलाम बनाने या ग्रेटर स्टाइल बनाने की मंशा रखता है। लेकिन इजराईल की योजना को ईरान और तुर्की जैसे ताकतवर मुस्लिम देशों ने फैल कर दिया है। इजराईल की अब सिर्फ इच्छाएं ही बची हैं। इजराईल के पास अब ताकत नहीं है। इजराईल की ताकत लगातार कमजोर हो रही है। यह जरूर कहा जा सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री अभी भी इजराईल के साथ खड़े हैं। यह मजबूत राष्ट्र अध्यक्ष क्यों इजराईल का साथ दे रहे हैं, ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। जबकि इनके देशों को इसराईल के कारण आर्थिक नुकसान लगातार हो रहा है।

मुसलमानों के लिए इंसाफ हासिल करना हुआ मुश्किल

- **मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत की हवा चल रही थी। अब वह आँधी में बदल चुकी है और इस आँधी की जद में देश का संविधान, न्यायपालिका सब आ गये हैं।**

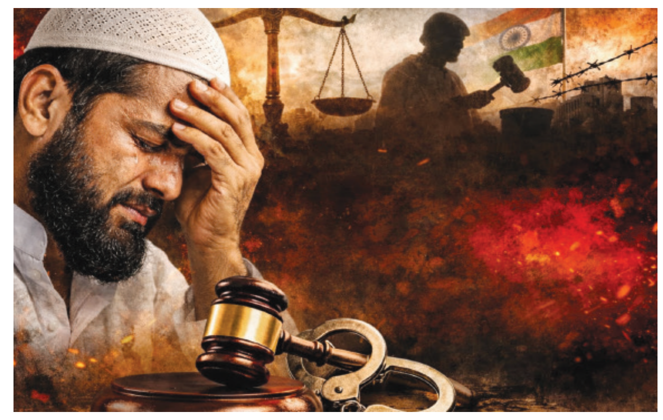

मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत की हवा चल रही थी, वह अब आँधी में बदल चुकी है और इस आँधी की जद में देश की न्यायपालिका संविधान सब आ गये हैं। इस आँधी को समझने के लिए उन घटनाओं को समझना होगा जिसमें मुसलमानों के खिलाफ नफरती भाषण है। मुसलमानों को खुले आम घर वापसी करने का ऐलान है। पूरे देश में चल रहे विरोध हिन्दू सम्मेलन है। जहाँ मंच से खुलेआम मुसलमानों के खिलाफ फैलाई जा रही नफरत है। हेट स्पीच पर अदालतों का रूख है। इन सबसे साबित हो आ जायेगा कि कैसे आज भारत में मुसलमानों के लिए इंसाफ हासिल करना भी मुश्किल हो गया है। हेट स्पीच मामले में खुद सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में गाइड लाइन जारी की थी कि यदि कोई व्यक्ति हेट स्पीच के जरिये किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाता है तो स्थानीय पुलिस को स्वत: संज्ञान लेकर ऐसे व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी होगी और पुलिस ऐसा नहीं करती है तो उस राज्य के हाईकोर्ट को ऐसे मामले में स्वत: संज्ञान लेना चाहिये। लेकिन मुसलमानों के खिलाफ हेट स्पीचों की बाढ़ आयी हुई है और सुप्रीम कोर्ट की यह गाइड लाईन मुसलमानों के खिलाफ चल रही नफरत की आँधी में कहीं हवा में उड़ गई है। कुछ घटनाओं से इन हालातों को समझते हैं। शुरूआत असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा से करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी मियां मुसलमान का रिक्शा का किराया पाँच रूपये बनते हैं तो उसे चार रूपये ही दो और परेशान करो। फिर उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि एसआईआर में से पाँच लाख मुसलमानों के नाम वोटिंग लिस्ट से काटने हैं। यानि नाम काटना चुनाव आयोग तय नहीं करेगा। यह काम असम का मुख्यमंत्री करेगा ॥ इससे भी आगे बढ़कर असम के मुख्यमंत्री ने एक विडियो जारी किया जिसमें वह हथियार से मुस्लिमों के फोटो पर गोली मार रहा है। जब इस पर बवाल मचा तो विडियो हटा लिया गया। लेकिन हैरानी की बात अब आती है। संविधान के अनुच्छेद 32 में भारत के प्रत्येक नागरिक का अधिकार है कि इस अनुच्छेद के कारण कोई व्यक्ति सीधा इंसाफ के लिए सुप्रीम कोर्ट में जा सकता है। जब असम के मुख्यमंत्री की इस हेट स्पीच को लेकर पीड़ित लोग सुप्रीम कोर्ट में गये तो सुप्रीम कोर्ट मुख्य न्यायधीश ने इस पर सुनवाई करने से इंकार करते हुए कहा कि पहले हाईकोर्ट जाओ। जबकि यही सुप्रीम कोर्ट था, यही मुख्य न्यायधीश थे। जब यूजीसी ने एसटी, एससी, ओबीसी के छात्रों को कैम्पस में उत्पीड़न से रोकने के लिए गाइड लाईन्स जारी की तो सुप्रीम कोर्ट तुरन्त सुनने को तैयार हो गया और पहले की सुनवायी में इन पर रोक लगा दी। बंगाल में एसआईआर मामले में तो गजब कर दिया। ईडी ने जब तृणमूल कॉंग्रेस के कार्यालयों पर छापा मारा और ईडी और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में विवाद हो गया। मामले की सुनवाई कोलकता हाई कोर्ट में चल रही थी। इसी बीच ईडी सीधी सुप्रीम कोर्ट आ गई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह नहीं कहा कि पहले कोलकाता हाईकोर्ट की सुनवाई होने दीजिये फिर सुनवाई करेंगे। ऐसा नहीं हुआ बल्कि सुप्रीम कोर्ट नें खुद सुनवाई की। इस घटना से आप समझ सकते हैं कि मुसलमानों को इंसाफ हासिल करने में भी कैसे मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

भारत का संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को अपनी मर्जी का धर्म मानने की आजादी देता है और दूसरे धर्म के व्यक्ति को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करना कानूनी अपराध होता है। लेकिन एक तथाकथित सांस्कृतिक संगठन के मुखिया देश के मुसलमानों को खुलेआम घर वापसी का ऐलान करता है और विकास में शामिल होने का प्रलोभन देता है और इस बयान पर हर तरफ सन्नाटा है। कोई इस बयान के खिलाफ बोलने का साहस नहीं कर रहा है। अब जरा कल्पना कीजिये कि मुस्लिम धार्मिक संस्था का जिम्मेदार व्यक्ति उनकी धार्मिक आस्था जिसमें उनका मानना है कि दुनिया में जितने भी इंसान हैं वे सब हज़रत आदम की औलाद हैं। इसलिए सब आपस में भाई हैं और हज़रत आदम का मूल धर्म इस्लाम था। इस आस्था की बुनियाद पर अगर कोई मुस्लिम धार्मिक संस्थान का जिम्मेदार भी मूल धर्म की तरफ वापसी का ऐलान कर देता तो क्या ऐसा ही सन्नाटा रहता या कोहराम मच जाता। बयान देने वाले व्यक्ति के खिलाफ पूरे देश में एफआईआर दर्ज करवाने की बाढ़ आ जाती और बहुत सारे बुलडोजर आ जाते। बयान देने वाले और उसके रिश्तेदारों के घर तोड़ने के लिए। न्यायपालिका भी तुरन्त संज्ञान ले लेती कि यह बयान विभाजनकारी और देश को तोड़ने वाला है। आज कल पूरे देश के विराट हिन्दू सम्मेलनों की बाढ़ आई हुई है। देश के हर छोटे-बड़े शहरों में विराट हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन हो रहा है। इन विराट सम्मेलनों में मंचों से सनातन संस्कृति मजबूत करने या देश की समस्याओं के समाधान की चर्चा नहीं होती है। इनमें मंच से खुलेआम मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाई जाती है। पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बनकर सुनता रहता है। अदालतें खामोश हैं। कुछ तथ्य तो हैरान करने वाले हैं कि ऐसे कुछ सम्मेलन आयोजित करने वाली सस्थाओं को सरकारी अनुदान भी दिया था। यानि सरकारी धन का इस्तेमाल अपने ही देश के मुस्लिम नागरिकों के खिलाफ नफरत फैलाने के लिये इस्तेमाल हुआ। इन धारणाओं से आप समझ सकते हैं कि देश में क्या हो रहा है और देश किधर जा रहा है ? यूपी पुलिस ने तो गजब कर दिया कुछ लोग अपने घर में जुमे की नमाज़ पढ़ रहे थे। पुलिस ने सामूहिक नमाज़ को अपराध मानकर नमाज़ पढ़ने वालों को ही गिरफ्तार कर लिया। मामला जब इलाहबाद हाईकोर्ट गया तो कोई इस कार्यवाही को गैर-कानूनी मानते हुए उस एफआईआर को खारिज किया और दोषी पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किया। उतराखण्ड में तो शायद कानून का राज ही खत्म हो गया है। एक मुस्लिम ने अपनी दुकान का नाम बाबा रख लिया तो बजरंग दल के गुण्डों की आस्था आहत हो गयी। जबकि बाबा शब्द फारसी और अरबी भाषा से निकला हुआ है। लेकिन गुण्डों की इससे आस्था आहत हो गई। जबकि बाबा शब्द फ़ारसी और अरबी भाषा से निकला हुआ है। लेकिन गुंडों को इससे कोई वास्ता नहीं था। उनका टारगेट तो मुसलमानों को परेशान करना था।

आज देश में मुसलमानों के लिए हर जगह परेशानियाँ खड़ी की जा रही हैं। उनके आर्थिक बहिष्कार का ऐलान होता है। उनके मकान खरीदने को पलायन से जोड़ा जाता है। अजान की आवाज़ से दिक्कत होती है। अब देश की धर्म निरपेक्ष जनता को सोचना है कि यदि आज उन्होंने इन अराजक तत्वों का विरोध नहीं किया और खामोश रहे तो उनकी यह खामोशी देश के भाईचारे को खत्म करेगी। देश के संविधान को देश के लोकतन्त्र को कमजोर करेगी। इसलिए देश के लोकतन्त्र, संविधान और आपसी भाईचारे को बचाने के लिए देश में मोहब्बत करने वाले प्रत्येक नागरिकों को एकजुट होकर इन अराजक तत्वों के खिलाफ खड़ा होना होगा।

-डॉ. शाहबुद्दीन ख़ान

भारत के पांचवें राष्ट्रपति थे - फखरुद्दीन अली अहमद

फखरुद्दीन अली अहमद एक प्रख्यात भारतीय राजनीतिज्ञ, वकील और राजनेता थे, जिन्होंने 1974 से 1977 में अपनी मृत्यु तक भारत के पाँचवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वे डॉ. जाकिर हुसैन के बाद राष्ट्रपति पद संभालने वाले दूसरे मुस्लिम थे और उन्होंने आपातकाल (1975-1977) की घोषणा से चिन्हित उथल-पुथल भरे दौर में भारत के राजनीतिक परिदृश्य में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनका कार्यकाल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा और स्वतंत्रता के बाद के भारतीय लोकतंत्र को आकार देने वाली प्रमुख घटनाओं में उनकी भागीदारी के लिए जाना जाता है। फखरुद्दीन अली अहमद का जन्म 13 मई 1905 को दिल्ली के हौज काजी में एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था, जिसका सार्वजनिक सेवा का लंबा इतिहास रहा है। उनके पिता कर्नल ज़लनूर अली अहमद भारतीय चिकित्सा सेवा में चिकित्सक थे, जबकि उनकी माता साहिबजादी रुकय्या सुल्ताना असम के एक कुलीन परिवार से थीं। बाद में उनका परिवार असम में बस गया, जहाँ फखरुद्दीन ने अपने जीवन और राजनीतिक जीवन का अधिकांश समय व्यतीत किया।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोंडा के सरकारी हाई स्कूल से और बाद में दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से प्राप्त की, जहाँ से उन्होंने कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कानून की पढ़ाई के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सेंट कैथरीन कॉलेज में दाखिला लिया। 1928 में उन्होंने लंदन के इनर टेम्पल में बार में प्रवेश लिया। इंग्लैंड में रहने के दौरान, वे भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं के संपर्क में आए और उनके मन में राजनीतिक और देशभक्ति की प्रबल भावना विकसित हुई। भारत लौटने पर, फखरुद्दीन अली अहमद ने असम के गुवाहाटी उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। जल्द ही वे

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, जहाँ वे जवाहरलाल नेहरू से प्रभावित हुए, जिनसे उनकी मुलाकात 1925 में इंग्लैंड में हुई थी। नेहरू के समाजवाद, धर्म-निरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता के आदर्शों ने अहमद के राजनीतिक चिंतन को गहराई से प्रभावित किया। अहमद ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया, विशेष रूप से 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान, जिसके लिए उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। भारतीय स्वतंत्रता के लिए उनके समर्पण ने उन्हें कांग्रेस नेताओं के बीच पहचान दिलाई।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, फखरुद्दीन अली अहमद उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्वों में से एक बनकर उभरे। उन्होंने असम प्रांतीय कांग्रेस कमेटी में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और असम विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए।

20 अगस्त 1974 को फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पाँचवें राष्ट्रपति चुने गए। उन्होंने वी.वी. गिरि का स्थान लिया। उनका चुनाव प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के निरंतर प्रभुत्व को दर्शाता है, जिन्होंने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था। अहमद का राष्ट्रपति कार्यकाल भारतीय इतिहास के सबसे विवादास्पद और राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण दौरों में से एक, आपातकाल के साथ मेल खाता था। 25 जून 1975 को, राजनीतिक अशांति और इंदिरा गांधी के चुनाव को अमान्य घोषित करने वाले अदालती फैसले के बाद, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता के लिए खतरों का हवाला देते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने की सलाह दी। फखरुद्दीन अली अहमद ने घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिससे केंद्र सरकार को व्यापक शक्तियां प्राप्त हो गईं। मार्च 1977 तक चले इस आपातकाल के कारण नागरिक स्वतंत्रता पर व्यापक प्रतिबंध, प्रेस सेंसरशिप और विपक्षी नेताओं की सामूहिक गिरफ्तारियां हुईं।

अपने कार्यकाल के दौरान, फखरुद्दीन अली अहमद को दिल का दौरा पड़ा और 11 फरवरी 1977 को उनका निधन हो गया। वे डॉ. जाकिर हुसैन के बाद पद पर रहते हुए निधन होने वाले दूसरे भारतीय राष्ट्रपति बने। उनकी असामयिक मृत्यु आपातकाल हटने से कुछ ही सप्ताह पहले हुई थी। दिल्ली में उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें राष्ट्रीय नेताओं और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उन्हें पूरी श्रद्धा के साथ नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट कब्रिस्तान में दफनाया गया। उनके निधन के बाद, तत्कालीन उपराष्ट्रपति बी.डी. जत्ती ने उसी वर्ष नीलम संजीव रेड्डी के राष्ट्रपति चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला।

युवा और डिजिटल दुनिया की चुनौतियां

युवा किसी भी देश और राष्ट्र की असली पूंजी होते हैं। राष्ट्र की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य युवाओं की सोच और उनके विकास पर निर्भर करता है। आधुनिक तकनीक की बदौलत आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां ज्ञान प्राप्ति के साधन और कौशल विकास के अपार अवसर पैदा हुए हैं, वहीं व्यक्तित्व निर्माण और नैतिक मूल्यों के पतन का खतरा भी मंडरा रहा है। आज के युवाओं ने डिजिटल दुनिया में खुद को इतना डुबो लिया है कि उन्हें अपने व्यक्तित्व को निखारने पर ध्यान देने की जरूरत भी महसूस नहीं होती। नतीजा यह है कि हमारे युवा डिजिटल दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बेखबर होकर इसके 'साइड इफेक्ट्स' को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसका असर न केवल उनके निजी जीवन पर दिख रहा है बल्कि समाज भी इन प्रभावों से सुरक्षित नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के 'एल्गोरिदम' यह सुनिश्चित करते हैं कि यूजर को वही सामग्री बार-बार दिखाई जाए जिसे उसने पहले देखा, लाइक किया या फॉलो किया हो। इस प्रक्रिया के दौरान यूजर के 'फीड' में उसी तरह की भ्रामक या पक्षपातपूर्ण जानकारी आने लगती है, जिससे यह आभास होता है कि उसके विचार और भावनाएं ही सार्वभौमिक सत्य हैं। समय के साथ युवा अनजाने में खुद को इनसे जोड़ लेते हैं। कभी उन्हें महसूस होता है कि उनका जीवन निरर्थक है, जिससे उनके मन पर निराशा छाने लगती है। कभी उन्हें लगता है कि वे "अलग" या "पीड़ित" हैं, तो यह अहसास उन्हें आक्रामकता या हानिकारक कदमों को सही ठहराने का आधार बन जाता है। इस 'एल्गोरिद्मिक' प्रभाव को आमतौर पर "फिल्टर बबल" कहा जाता है, जो व्यक्ति को उसके पहले से मौजूद विश्वासों तक सीमित कर देता है और वैकल्पिक दृष्टिकोणों को छिपा देता है। परिणामस्वरूप, युवा यह मानने लगते हैं कि भ्रामक नैरेटिव ही वास्तविकता है। इस संदर्भ में कुरान पाक हमें स्पष्ट मार्गदर्शन देता है: "ऐ ईमान वालों किसी भी बात को बिना जांच-पड़ताल के न मानो और जब तक तुम्हें प्रमाण न मिले, किसी पर विश्वास न करो।" यह आयत युवाओं को संदेश देती है कि किसी भी ऑनलाइन जानकारी पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें।

देश के सभी धर्मों के युवाओं को चाहिए कि वे राष्ट्रीय मुख्यधारा के मीडिया, प्रतिष्ठित पत्रकारों, विश्वविद्यालय की पुस्तकों और प्रमाणित शोध पत्रिकाओं से तथ्य प्राप्त करें और अपने शिक्षकों या अभिभावकों से मार्गदर्शन लेते रहें। इससे वे न केवल भ्रामक सामग्री से सुरक्षित रहेंगे, बल्कि अपने विचारों को लोकतांत्रिक और नैतिक आधार पर विकसित कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में दोस्तों, परिवार और शिक्षकों के साथ संवाद करना आवश्यक है। सामूहिक स्तर पर, समाज और शैक्षणिक संस्थान डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित कर सकते हैं। युवाओं को यह समझना होगा कि आज के डिजिटल युग में असत्यापित सामग्री का प्रसार न केवल भ्रामक है, बल्कि इसका बिना सोचे-समझे उपयोग लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए भी खतरा है।

रोज़ा

हर उम्मत पर रोज़ा फ़र्ज़ किया गया मुसलमान भाइयो ! नमाज के बाद दूसरी इबादत, जो अल्लाह तआला ने आप पर फ़र्ज़ की है, 'रोज़ा' है। रोज़े से मुराद यह है कि सुबह से शाम तक आदमी खाने-पीने और मुबाशरत (सहवास) से परहेज़ करे। नमाज़ की तरह यह इबादत भी शुरू से सभी पैग़म्बरों की शरीअत में फ़र्ज़ रही है। पिछली जितनी उम्मतें गुज़री हैं, सब इसी तरह रोज़े रखती थीं जिस तरह मुहम्मद (सल्ल.) की उम्मत रखती है, अलबत्ता रोज़े के हुक्म और रोज़े की तादाद और रोज़े रखने के ज़माने में शरीअतों के दरमियान फ़र्क़ रहा है।

आज भी हम देखते हैं कि अकसर मज़हबों में रोज़ा किसी-न-किसी शक्ल में मौजूद है। यह बात अलग है कि लोगों ने अपनी तरफ़ से बहुत-सी बातें मिलाकर इसकी शक्ल बिगाड़ दी है। कुरआन मजीद में आया है- "ऐ लोगो जो ईमान लाए हो! तुमपर रोज़े फ़र्ज़ कर दिए गए, जिस तरह तुमसे पहले नबियों के मानने वालों पर फ़र्ज़ किए गए थे।"(कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-183) इस आयत से मालूम होता है कि अल्लाह तआला की तरफ़ से जितनी शरीअतें आई हैं, वे कभी रोज़े की इबादत से ख़ाली नहीं रही हैं। रोज़ा क्यों फ़र्ज़ किया गया ? ग़ौर कीजिए कि आख़िर रोज़े में क्या बात है जिसकी वजह से अल्लाह तआला ने इस इबादत को हर ज़माने में फ़र्ज़ किया है।

ज़िन्दगी का मक़सद - रब की बन्दगी इससे पहले कई बार आपसे बयान कर चुका हूँ कि इस्लाम का अस्ल मक़सद इनसान की पूरी ज़िन्दगी को अल्लाह की इबादत बना देना है। इनसान 'अब्द' यानी बन्दा पैदा हुआ है और 'अबदियत' यानी बन्दगी उसकी फ़ितरत में दाखिल है। इसलिए इबादत, यानी ख़याल व अमल में अल्लाह की बन्दगी करने से कभी एक पल के लिए भी उसको आज़ाद न होना चाहिए। उसे अपनी ज़िन्दगी के हर मामले में हमेशा और हर वक़्त यह देखना चाहिए कि अल्लाह तआला की रिज़ा और खुशनूदी किस चीज़ में है और उसका ग़ज़ब और नाराज़गी किस चीज़ में।

फिर जिस तरफ़ अल्लाह की रिज़ा हो, उधर जाना चाहिए और जिस तरफ़ उसका ग़ज़ब और उसकी नाराज़ी हो, उससे इस तरह बचना चाहिए जैसे आग के अंगारे से कोई बचता है। जो तरीक़ा अल्लाह ने पसन्द किया हो उसपर चलना चाहिए और जिस तरीके को उसने पसन्द न किया हो उससे भागना चाहिए। जब इनसान की सारी ज़िन्दगी इस रंग में रंग जाए तब समझो कि उसने अपने मालिक की बन्दगी का हक़ अदा किया और "मैंने जिन्न और इनसानों को इसके सिवा किसी काम के लिए पैदा नहीं किया है कि वे मेरी बन्दगी करें" (कुरआन, सूरा-51 ज़ारियात, आयत-56) का मंशा पूरा हो गया। इबादतें - बन्दगी की तरबियत यह बात भी इससे पहले मैं बयान कर चुका हूँ कि नमाज़, रोज़ा, हज और ज़कात के नाम से जो इबादतें हमपर फ़र्ज़ की गई हैं उनका अस्ल मक़सद इसी बड़ी इबादत के लिए हमको तैयार करना है।

उनको फ़र्ज़ करने का मतलब यह नहीं है कि अगर आपने दिन में पाँच वक़्त रुकू और सजदा कर लिया और रमज़ान में तीस दिन तक सुबह से शाम तक भूख-प्यास बरदाश्त कर ली और मालदार होने की सूरत में साल में एक बार ज़कात और ज़िन्दगी में एक बार हज अदा कर लिया तो अल्लाह का जो कुछ हक़ आप पर था, वह अदा हो गया और इसके बाद आप उसकी बन्दगी से आज़ाद हो गए कि जो चाहें करते फिरें, बल्कि अस्ल में इन इबादतों को फ़र्ज़ करने का मक़सद यही है कि उनके ज़रिए से आदमी की तरबियत की जाए और उसको इस क़ाबिल बना दिया जाए कि उसकी पूरी ज़िन्दगी अल्लाह की इबादत बन जाए। आइए! अब इसी मक़सद को सामने रखकर हम देखें कि रोज़ा किस तरह आदमी को उस बड़ी इबादत के लिए तैयार करता है।

रोज़ा पोशीदा इबादत है रोज़े के सिवा दूसरी जितनी इबादतें हैं, वे किसी-न-किसी ज़ाहिरी हरकत से अदा की जाती हैं। मिसाल के तौर पर नमाज़ में आदमी उठता और बैठता है और रुकू और सजदा करता है, जिसको हर शख़्स देख सकता है। हज में वह एक लम्बा सफ़र करके जाता है और फिर हज़ारों और लाखों आदमियों के साथ सफ़र करता है। ज़कात भी कम-से-कम एक आदमी देता है और दूसरा आदमी लेता है। इन सब इबादतों का हाल छिप नहीं सकता। अगर आप अदा करते हैं तब भी दूसरों को मालूम हो जाता है, अगर अदा नहीं करते तब भी लोगों को ख़बर हो ही जाती है। इसके बरख़िलाफ़ रोज़ा ऐसी इबादत है जिसका हाल खुदा और बन्दे के सिवा किसी दूसरे पर नहीं खुल सकता। एक शख़्स सबके सामने सहरी खाए और इफ़तार के वक़्त तक ज़ाहिर में कुछ न खाए-पिए, मगर छिपकर पानी पी जाए या कुछ चोरी-छिपे खा-पी ले तो खुदा के सिवा किसी को भी इसकी ख़बर नहीं हो सकती। सारी दुनिया यही समझती रहेगी कि वह रोज़े से है, और वह हक़ीक़त में रोज़े से न होगा। रोज़ा-ईमान की मज़बूती की अलामत रोज़े की इस हैसियत को सामने रखिए, फिर ग़ौर कीजिए कि जो आदमी हक़ीक़त में रोज़े रखता है और उसमें चोरी-छिपे भी कुछ नहीं खाता-पीता, सख़्त गर्मी की हालत में भी, जबकि प्यास से हलक़ चटखा जाता हो, पानी का एक क़तरा हलक से नीचे नहीं उतारता, सख़्त भूख की हालत में, जबकि आँखों में दम आ रहा हो, कोई चीज़ खाने का इरादा तक नहीं करता, उसे अल्लाह तआला के आलिमुल-गैब (गैब का जाननेवाला) होने पर कितना ईमान है! किस क़दर, ज़बरदस्त यक़ीन के साथ वह जानता है कि उसकी कोई हरकत चाहे सारी दुनिया से छिप जाए, मगर अल्लाह से नहीं छिप सकती ! कैसा खुदा का ख़ौफ़ उसके दिल में है कि बड़ी-से-बड़ी तकलीफ़ उठाता है, मगर सिर्फ़ अल्लाह के ख़ौफ़ की वजह से कोई ऐसा काम नहीं करता जो उसके रोज़े को तोड़नेवाला हो! कितना मज़बूत यक़ीन है उसको आख़िरत की जज़ा व सज़ा पर कि महीने भर में वह कम-से-कम तीन सौ साठ घण्टे के रोज़े रखता है और इस दौरान में कभी एक मिनट के लिए भी उसके दिल में आख़िरत के बारे में कोई ज़रा-सा शक भी नहीं होता। अगर उसे इस बात में ज़रा-सा भी शक होता कि आख़िरत होगी या न होगी और उसमें अज़ाब व सवाब होगा या न होगा, तो वह कभी अपना रोज़ा पूरा नहीं कर सकता था। शक हो जाने के बाद यह मुमकिन नहीं है कि आदमी खुदा के हुक्म को पूरा करने में कुछ न खाने और पीने के इरादे पर क़ायम रह जाए। एक महीने की लगातार ट्रेनिंग इस तरह अल्लाह तआला हर साल पूरे एक महीने तक मुसलमान के ईमान को लगातार आज़माइश में डालता है और इस आज़माइश में जितना-जितना आदमी पूरा उतरता जाता है, उतना ही उसका ईमान मज़बूत होता जाता है। यह मानो आज़माइश की आज़माइश है और ट्रेनिंग की ट्रेनिंग। आप जब किसी आदमी के पास अमानत रखवाते हैं तो मानो उसकी ईमानदारी की आज़माइश करते हैं। अगर वह इस आज़माइश में पूरा उतरे और अमानत में खियानत न करे तो उसके अन्दर अमानतों का बोझ सम्भालने की और ज़्यादा ताक़त पैदा हो जाती है और वह ज़्यादा अमानतदार बनता चला जाता है। इसी तरह अल्लाह तआला भी लगातार एक महीने तक रोज़ाना बारह-बारह, चौदह-चौदह घण्टों तक आपके ईमान को कड़ी आज़माइश में डालता है, और जब इस आज़माइश में आप पूरे उतरते हैं तो आपके अन्दर इस बात की और ज़्यादा क़ाबिलियत पैदा होने लगती है कि अल्लाह से डरकर दूसरे गुनाहों से भी परहेज़ करें। अल्लाह को आलिमुल-गैब (गैब का जाननेवाला) जानकर चोरी-छिपे भी उसके क़ानून को तोड़ने से बचें और हर मौक़े पर क़ियामत का वह दिन आपको याद आ जाया करे, जब सब कुछ खुल जाएगा और बिना किसी रू-रिआयत के भलाई का भला और बुराई का बुरा बदला मिलेगा। यही मतलब है इस आयत का- "ऐ लोगो जो ईमान लाए हो! तुम पर रोज़े फ़र्ज़ कर दिए गए जिस तरह तुमसे पहले नबियों के मानने वालों पर फ़र्ज़ किए गए थे, इससे उम्मीद है कि तुममें परहे ज़गारी की सिफ़त पैदा होगी।" इताअत की लम्बी मश्क़ रोज़े की एक दूसरी खूबी भी है. और वह यह है कि यह एक लम्बी मुद्दत तक शरीअत के हक्मों की लगातार इताअत कराता है।

जारी........

इंडियन आर्मी में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन शुरू

इंडियन आर्मी की ओर से अग्रिवीर भर्ती 2025 के लिए आज से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अग्निपथ स्कीम के तहत चयनित अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष होगी। चार साल बाद 75% अग्निवीरों को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। जबकि 25% को स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। अग्निवीर परीक्षा 1 से 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक

एज लिमिट :
अग्निवीर जीडी/टेक्निकल/असिस्टेंट/ट्रेड्समैन : 17.5 से 22 साल
सोल्जर टेक्निकल: 17.5 से 23 वर्ष
सिपाही फार्मा: 19-25 वर्ष
JCO धार्मिक टीचर: 25-24 साल।
आयुसीमा की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट जारी

सैलरी :
पहले वर्ष 30 हजार रुपए सैलरी मिलेगी, जो चौथे साल तक बढ़कर 40 हजार रुपए हो जाएगी। वेतन का 30% हिस्सा सेवा निधि में जमा होगा, जिसमें सरकार भी समान राशि जोड़ेगी। चार साल बाद करीब 11.71 लाख रुपये का सेवा निधि पैकेज (ब्याज सहित) मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए JCO/OR/Agniveer / Apply/ Login पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग इन करें।
अपना फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में 270 पदों पर भर्ती

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL) ने असिस्टेंट फोरमैन (ट्रेनी) ग्रेड - सी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर और अन्य संबंधित पद शामिल हैं। उम्मीदवार एनसीएल की ऑफिशियल वेबसाइट nclcil.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
11 फरवरी से 05 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, संबंधित क्षेत्र में 3 साल का डिप्लोमा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट दी जाएगी।

सैलरी :
47,330.25 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

फीस :
यूआर, ओबीसी - एनसीएल, ईडब्ल्यूएस : 1180 रुपए
एससी, एसटी, ईएसएम, पीडब्ल्यूबीडी, विभागीय उम्मीदवार : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की ऑफिशियल वेबसाइट www.nclcil.in पर जाएं।
भर्ती सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्रेंटिस के लिए ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
फॉर्म जमा करें। आगे की जरूरत के लिए एक प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 5349 पदों पर निकली भर्ती

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल (RRC) ने पश्चिम रेलवे भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 फरवरी से शुरू होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://www.rrc-wr.com पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह ट्रेनिंग एक साल के लिए दी जाएगी।

आवेदन शुरू :
21 फरवरी से 23 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास
NCVT के मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपएएससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrc-wr.com पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रख लें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

रेलवे में 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने ग्रुप-डी लेवल-1 भर्ती की संशोधित तारीख जारी कर दी है। 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन 21 जनवरी से शुरू होने वाला था, जिसे 31 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उम्मीदवार 31 जनवरी 2025 से ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
31 जनवरी से 02 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास या NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष :
35 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना
4 मिनट और 15 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।
महिला :
20 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना।
5 मिनट और 40 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 36 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, ईबीसी, महिला, ट्रांसजेंडर : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
22,500 - 25,380 रुपए प्रतिमाह

कट ऑफ :
सामान्य : 40
ईडब्ल्यूएस : 40
ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 30
एससी, एसटी : 30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में 650 पदों पर भर्ती

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) में असिस्टेंट के 650 पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए प्रीलिम्स परीक्षा 11 अप्रैल 2026 को होगी। वहीं मेन्स परीक्षा 30 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
16 फरवरी से 08 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री।
एससी/एसटी/ दिव्यांगों के लिए न्यूनतम 50% अंकों के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री। साथ ही कंप्यूटर पर वर्ड प्रोसेसिंग की जानकारी होनी चाहिए।
पूर्व सैनिकि भी आवेदन कर सकते हैं। वे किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट हों या सशस्त्र बलों की मैट्रिक परीक्षा पास कर चुके हों। साथ ही 15 साल की रक्षा सेवा पूरी की हो।
राज्यों के लिए अप्लाई करने वालों को वहां की लोकल भाषा आनी चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
जनरल/ईडब्ल्यूएस विकलांग : 10 साल की छूट
ओबीसी विकलांग : 13 साल की छूट
एससी-एसटी विकलांग : 15 साल की छूट

फीस :
जनरल/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस: 450
एससी/ एसटी/ दिव्यांग: 50
स्टाफ: नि:शुल्क

सैलरी :
29,000 - 74,590 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिमिनरी एग्जाम
मेन्स एग्जाम
लैंग्वेज टेस्ट (LPT)

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
RBI Assistant Recruitment 2023 पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें। सभी डिटेल्स पढ़ें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सबमिट करें।
इसका एक प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

यूपीएससी ने CAPF में 349 पदों पर निकाली भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में असिस्टेंट कमांडेंट के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 19 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
20 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अगस्त, 2026 के आधार पर की जाएगी।
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
वैलिड ईमेल आईडी
मोबाइल नंबर
स्कैन की गई फोटो और सिग्नेचर
फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आईडी/पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस)

फीस :
जनरल, ओबीसी : 200 रुपए
एससी, एसटी, महिला : नि:शुल्क

एग्जाम में लागू होंगे ये नियम :
वन टाइम रजिस्ट्रेशन की जगह यूआरएन ने ले ली है जो हमेशा वैलिड रहेगा।
फाइनल सब्मिशन के बाद आवेदन में सुधार करने का कोई मौका नहीं मिलेगा।
अब पहले से खींची हुई फोटो अपलोड करने के बजाय आवेदन के समय लाइव फोटो कैप्चर करना जरूरी है।
उम्मीदवारों को सफेद कागज पर काले पेन से तीन बार सिग्नेचर करके अपलोड करने होंगे।
एग्जाम सेंटरों की संख्या 47 से बढ़ाकर 57 कर दी गई है। इसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर (नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद) और भुवनेश्वर, इंदौर जैसे 10 नए सेंटर जोड़े गए हैं।
इस बार असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा केंद्र पर सभी उम्मीदवारों का अनिवार्य फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।
होमपेज पर ऑनलाइन अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद UPSC CAPF AC Recruitment 2026 लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

116. 'इंडियन नेशनल आर्मी (INA)' का गठन किस वर्ष हुआ?
(A) 1940 ई. (B) 1941 ई.
(C) 1942 ई. (D) 1943 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: रास बिहारी बोस ने 1942 में इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापना की थी।

117. सुभाषचंद्र बोस ने 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना कब की थी?
(A) 1938 ई. (B) 1939 ई.
(C) 1940 ई. (D) 1941 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1939 ई. में कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद बोस ने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

118. भारत की अंतरिम सरकार कब बनी?
(A) 1945 ई. (B) 1946 ई.
(C) 1947 ई. (D) 1948 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 2 सितंबर 1946 को अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके उपाध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू बने।

119. 'कैबिनेट मिशन योजना' कब आई?
(A) 1942 ई. (B) 1945 ई.
(C) 1946 ई. (D) 1947 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: मार्च 1946 में ब्रिटेन से तीन मंत्रियों का दल भारत भेजा गया जिसे कैबिनेट मिशन कहा गया।

120. भारत की स्वतंत्रता की घोषणा कब की गई?
(A) 15 अगस्त 1946
(B) 15 अगस्त 1947
(C) 26 जनवरी 1950
(D) 2 अक्टूबर 1947
उत्तर: (B)
व्याख्या: भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ और पंडित नेहरू ने "नए युग की सुबह" का भाषण दिया।

121. भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन बने?
(A) लॉर्ड माउंटबेटन
(B) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(C) जवाहरलाल नेहरू
(D) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर: (A)
व्याख्या: स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन बने, तत्पश्चात सी. राजगोपालाचारी।

122. भारत का प्रथम प्रधानमंत्री कौन था?
(A) पटेल (B) नेहरू
(C) राजगोपालाचारी (D) गांधी
उत्तर: (B)
व्याख्या: स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बने।

123. 'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' की स्थापना कब हुई?
(A) 1930 ई. (B) 1934 ई.
(C) 1936 ई. (D) 1939 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना 1934 में जयप्रकाश नारायण और आचार्य नरेंद्र देव ने की थी।

124. 'किसान सभा' की स्थापना किसने की?
(A) सरदार पटेल (B) एन.जी. रंगा
(C) लाल बहादुर शास्त्री
(D) गोखले
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1936 में एन.जी. रंगा ने अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना की।

125. 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान गांधीजी को कहाँ गिरफ्तार किया गया था?
(A) दिल्ली (B) अहमदनगर
(C) बंबई (D) पुणे
उत्तर: (D)
व्याख्या: गांधीजी को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पुणे के आगा खान पैलेस में बंदी बनाया गया था।

मध्यकालीन भारत (Medieval India)

126. दिल्ली सल्तनत की स्थापना किसने की थी?
(A) इल्तुतमिश (B) कुतुबुद्दीन ऐबक (C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) बलबन
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में गुलाम वंश की स्थापना की, जिससे दिल्ली सल्तनत का आरंभ हुआ।

127. कुतुबमीनार का निर्माण किसने प्रारंभ किया था?
(A) इल्तुतमिश
(B) कुतुबुद्दीन ऐबक
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) फीरोजशाह तुगलक
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने प्रारंभ किया और इसे इल्तुतमिश ने पूरा करवाया।

128. इल्तुतमिश ने किस सिक्के की शुरुआत की थी?
(A) रुपया (B) टंका
(C) दीनार (D) अशर्फी
उत्तर: (B)
व्याख्या: इल्तुतमिश ने 'टंका' (चाँदी का सिक्का) और 'जीतल' (तांबे का सिक्का) चलाया था।

129. 'सिकंदर-ए-सानी' की उपाधि किसे दी गई थी?
(A) बाबर
(B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) अकबर
(D) औरंगजेब
उत्तर: (B)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी को उनकी विजयों के कारण 'सिकंदर-ए-सानी' कहा गया था।

130. किस सुल्तान ने 'मार्केट कंट्रोल' नीति अपनाई थी?
(A) इल्तुतमिश (B) बलबन
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) मोहम्मद बिन तुगलक
उत्तर: (C)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 'मार्केट कंट्रोल' नीति लागू की थी।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल

न्याय के दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा, सावधानी और संवैधानिक विवेक

भारत की न्यायिक प्रणाली एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ तकनीक और कानून का समन्वय अनिवार्य होता जा रहा है। बढ़ते वादों, न्यायालयों पर अत्यधिक बोझ और त्वरित न्याय की अपेक्षाओं के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता [Artificial Intelligence – AI] को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा है। किंतु हाल के समय में न्यायालयों के समक्ष प्रस्तुत। [AI- Generated] याचिकाओं और आवेदनों के मसौदों ने इस तकनीक के उपयोग को लेकर गंभीर प्रश्न भी खड़े कर दिए हैं।

AI का प्रयोग आज कानूनी शोध, दस्तावेज प्रबंधन और प्रारंभिक ड्राफ्टिंग में तेजी से बढ़ रहा है। अनेक वकील और विधिक पेशेवर AI आधारित टूल्स की सहायता से कम समय में याचिकाओं का प्रारूप तैयार कर रहे हैं। समर्थकों का तर्क है कि इससे न्याय तक पहुँच आसान होती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो संसाधनों की कमी के कारण महंगी कानूनी सेवाएँ नहीं ले पाते। इसके अतिरिक्त, निर्णयों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद, भाषण-से-पाठ [speech to text] जैसी सुविधाएँ न्यायिक प्रक्रिया को अधिक समावेशी बना रही हैं।

हालाँकि, यह तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है। हाल के मामलों में यह सामने आया है कि AI जनित मसौदों में काल्पनिक निर्णयों, गलत उद्धरणों और असत्य कानूनी संदर्भों का उल्लेख किया गया। तकनीकी भाषा में इसे hallucination कहा जाता है - जहाँ AI आत्मविश्वास के साथ तथ्यात्मक रूप से गलत जानकारी प्रस्तुत करता है। ऐसी त्रुटियाँ केवल लापरवाही का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि वे न्यायालय का बहुमूल्य समय भी नष्ट करती हैं और न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं।

इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने AI के प्रयोग को लेकर सतर्क दृष्टिकोण अपनाया है। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि तकनीक सहायक हो सकती है, किंतु निर्णय लेने का अंतिम अधिकार और उत्तरदायित्व मानव विवेक का ही रहेगा। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश The Chief Justice of India [CJI] सूर्यकांत ने सार्वजनिक मंचों और न्यायिक टिप्पणियों में यह रेखांकित किया है कि न्यायपालिका AI को अपनाने में "अत्यधिक सावधानी" बरत रही है, ताकि तकनीक न्यायिक सोच पर हावी न हो जाए। यह बहस केवल भारत तक सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अदालतों ने AI -निर्मित गलत दलीलों पर कड़ा रुख अपनाया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तकनीक की विश्वसनीयता बिना मानवीय निगरानी के सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

अंततः, कृत्रिम बुद्धिमत्ता न्याय प्रणाली के लिए न तो वरदान है और न ही अभिशाप। यह एक शक्तिशाली उपकरण है, जिसका प्रभाव उसके उपयोग के तरीके पर निर्भर करता है। भारतीय न्यायपालिका का वर्तमान रुख यह संकेत देता है कि नवाचार का स्वागत है, लेकिन विवेक, सत्यापन और संवैधानिक मूल्यों के साथ। AI न्यायाधीश और वकील के कार्य को सशक्त बनाता है, किंतु यदि वह मानवीय उत्तरदायित्व को कमजोर करता है, तो वह न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत होगा।

यही संतुलन तकनीक और मानव विवेक के बीच आने वाले समय में न्याय प्रणाली के भविष्य को परिभाषित करेगा।

जे ए खान, एडवोकेट
जयपुर

फैशन डिजाइनर बनने के लिए कौन-सी पढ़ाई करनी होती है

-12वीं के बाद कैसे शुरू होता है करियर?

आज के दौर में फैशन इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है। पहले जहां फैशन को सिर्फ शौक समझा जाता था, वहीं अब यह एक प्रोफेशनल और ग्लैमरस करियर विकल्प बन चुका है। अगर आप 12वीं के बाद कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं, डिजाइनिंग में रुचि रखते हैं और नए ट्रेंड्स के साथ काम करना पसंद करते हैं, तो फैशन डिजाइनिंग आपके लिए बेहतरीन क्षेत्र हो सकता है। सही पढ़ाई, सही संस्थान और सही दिशा मिलने पर इस क्षेत्र में बड़ा नाम कमाया जा सकता है ।

12वीं के बाद कौन-से कोर्स करें?
फैशन डिजाइनर बनने के लिए 12वीं पास करना अनिवार्य है.इसके बाद छात्र डिजाइन क्षेत्र में डिग्री कोर्स कर सकते हैं । सबसे लोकप्रिय कोर्स बी.डिज़ाइन इन फैशन डिजाइन है, जिसकी अवधि आमतौर पर चार साल होती है। इसके अलावा कुछ संस्थान बी.एफटेक जैसे कोर्स भी उपलब्ध कराते हैं। ग्रेजुएशन के बाद छात्र एम.डिज़ाइन या अन्य पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके अपने ज्ञान और स्किल को और बेहतर बना सकते हैं।

एडमिशन प्रक्रिया कैसी होती है?
देश के प्रमुख डिजाइन संस्थानों में प्रवेश के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना पड़ता है। जैसे National Institute of Fashion Technology (NIFT) अपना प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। वहीं National Institute of Design (NID) में दाखिले के लिए NID DAT परीक्षा देनी होती है। कुछ Indian Institute of Technology (IITs) में भी डिजाइन से जुड़े कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए UCEED जैसी परीक्षा देनी होती है। इन परीक्षाओं में छात्रों की रचनात्मक

सोच, ड्राइंग स्किल, सामान्य ज्ञान और डिजाइन समझ का मूल्यांकन किया जाता है।

योग्यता
फैशन डिजाइनिंग कोर्स के लिए छात्र का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस के छात्र आवेदन कर सकते हैं।

कोर्स फीस कितनी होती है?
फैशन डिजाइनिंग की फीस संस्थान के प्रकार पर निर्भर करती है। सरकारी संस्थानों में सालाना फीस लगभग 1 से 3 लाख रुपये के बीच हो सकती है। वहीं निजी संस्थानों में यह फीस 3 से 6 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है। पूरे चार साल के कोर्स में कुल खर्च 5 से 20 लाख रुपये तक हो सकता है। कई संस्थान मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करते हैं, जिससे आर्थिक बोझ कम हो सकता है।

कैसा होता है पढाई का पैटर्न ?
फैशन डिजाइनिंग कोर्स में सिर्फ कपड़ों की डिजाइनिंग ही नहीं सिखाई जाती, बल्कि डिजाइन के तकनीकी और व्यावसायिक पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाता है । छात्रों को फैशन इलस्ट्रेशन, पैटर्न मेकिंग, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, टेक्सटाइल्स, कंप्यूटर एडेड डिजाइन, फैशन हिस्ट्री, ट्रेंड एनालिसिस और पोर्टफोलियो डेवलपमेंट जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इसके साथ ही इंडस्ट्री एक्सपोजर और प्रोजेक्ट वर्क भी कराया जाता है।

करियर की शुरुआत कैसे करें?
डिग्री पूरी करने के बाद अधिकतर छात्र इंटर्नशिप के जरिए अपने करियर की शुरुआत करते हैं। फैशन डिजाइनर के रूप में नौकरी के अवसर गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्रांड्स, टेक्सटाइल इंडस्ट्री, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और फिल्म इंडस्ट्री में मिल सकते हैं। कई छात्र अपना खुद का फैशन लेबल भी शुरू करते हैं। बड़े ब्रांड्स जैसे Zara और H&M में भी रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। इसके अलावा प्रसिद्ध डिजाइनरों जैसे मनीष मल्होत्रा के साथ काम करने का मौका भी मिल सकता है, जिससे अनुभव और पहचान दोनों मिलती हैं।

सैलरी कितनी मिलती है ?
फैशन डिजाइनिंग में शुरुआती सैलरी 2.5 से 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष के बीच होती है। अनुभव और स्किल के आधार पर यह वेतन 8 से 10 लाख रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है.अगर कोई डिजाइनर अपना ब्रांड स्थापित कर लेता है या बड़े फैशन हाउस के साथ काम करता है, तो आय की कोई सीमा नहीं रहती। फैशन इंडस्ट्री में हर साल नए ट्रेंड्स आते हैं, जिससे इस क्षेत्र में हमेशा अवसर बने रहते हैं।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया प्रदेश कमेटी की बैठक संपन्न

-स्थानीय निकाय चुनाव सहित कई मुद्दों पर चर्चा

कोटा (रॉयल पत्रिका) । सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया राजस्थान के कोटा संभाग मुख्यालय स्थित पार्टी के संभागीय कार्यालय पर 22 फरवरी 2026 रविवार को पार्टी की राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने की। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, सीताराम खोईवाल, राष्ट्रीय महासचिव रियाज फेरेंगेपेट, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अब्दुल सत्तार विशेष रूप से बैठक में शामिल हुए। बैठक में प्रदेश कमेटी सदस्यों सहित विभिन्न जिलों से आए पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं महासचिव भी उपस्थित रहे और अपने जिलों की राजनीतिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रदेश में पार्टी को आमजन तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों ने अपने सुझाव भी दिए। बैठक के प्रारंभ में प्रदेश कमेटी द्वारा सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्य प्रभारी के रूप में पूर्व प्रभारी रियाज फेरेंगेपेट ने अपना पदभार अब्दुल सत्तार को सौंपा। सभी राष्ट्रीय नेताओं द्वारा पार्टी के कार्यों में तेजी लाने के लिए उपस्थित सभी नेताओं का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

बैठक में विभिन्न राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए:-

जिनमें अशांत धारा कानून:-

जिसमें स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ रिहाइशी क्षेत्रों को संवेदनशील घोषित किए जाने से वहां संपत्तियों की खरीद-फरोख्त को सांप्रदायिक विचारों के साथ लागू किए जाने की संभावना दर्शाता है। इससे वहां संपत्तियों के वास्तविक मूल्यों में भारी क्षति पहुंचेगी क्योंकि उसके प्रावधान के अनुसार किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त को धार्मिक आधार पर ही किया जा सकेगा।

इससे दो समुदायों के बीच व्यापारिक संबंधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और दोनों वर्गों को घाटे में अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ेंगी। दूसरा गौ हत्या प्रकरण के झूठे मामले, प्रदेश में कुछ दिनों से गौ हत्या के नाम पर कुछ राजनीतिक और धार्मिक संगठनों द्वारा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के षड्यंत्र कर धरने प्रदर्शन कर माहौल खराब करने के कुत्सित प्रयास किए जा रहे हैं, जो कि जांच में झूठे और प्रायोजित साबित हुए हैं। अतः सरकार इस प्रकार के असामाजिक तत्वों पर उनके दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्यवाही करे ताकि समाज का सौहार्द दूषित होने से बचाया जा सके।

तीसरा स्थानीय निकाय चुनाव:-

प्रदेश में आगामी निकाय चुनावों में पार्टी ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों में अपने प्रत्याशी उतारकर चुनाव लड़ेगी और स्थानीय स्तर पर भी अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों के साथ गठबंधन करेगी। चौथा सरकारी भ्रष्टाचार पर अंकुश, वर्तमान में देखने में आ रहा है कि दिन प्रतिदिन सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार के मामलों में बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। अतः सरकार इस प्रकार के मामलों को रोकने के लिए उचित कानूनी कार्यवाही करे और दंड प्रक्रिया को और भी प्रभावी बनाए ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

पांचवां महिला सुरक्षा:-

अभी प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राजस्थान से सटे दिल्ली और मध्य प्रदेश में महिलाओं की गुमशुदगी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। राज्य में महिला अत्याचार की कई घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में राज्य की महिलाओं की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाएं और उनकी रक्षा प्रणाली को सुचारू बनाया जाए। उपरोक्त बिंदुओं के साथ-साथ सभी जिलों में पार्टी का विस्तार करते हुए सदस्यता अभियान शुरू करने की भी चर्चा की गई। बैठक में आए सभी आगंतुकों का स्वागत प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने किया तथा सभी को धन्यवाद भाषण अन्य प्रदेश महासचिव अब्दुल हक ने दिया।

अखाड़ा आमापीर समिति द्वारा नवनिर्वाचित अंजुमन सदर और वक्फ कमेटी चेयरमैन का इस्तकबालिया प्रोग्राम संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । अखाड़ा आमापीर समिति बारां द्वारा दरगाह बाबा पठान साहब पर वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ओर नवनिर्वाचित अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान का इस्तकबालिया प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रवक्ता इरशाद अंसारी ने बताया कि दोनों मुख्य अतिथि के अलावा अंजुमन के नायब सदर साजिद खान लजीज, नायब सदर निवर्तमान पार्षद जाकिर खान, जनरल सेकेट्री फ़राज़ अहमद कुरैशी, सेकेट्री इमरान रंगरेज, तालीम कन्वीनर मास्टर अलीम पठान, खेलकूद कन्वीनर अब्दुल अजीज अज्जू भाई, तामीर कन्वीनर महबूब अली, दीनी तालीम कन्वीनर मौलाना सलमान का अखाड़े के पदाधिकारियों ने माला ओर साफा पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया। अखाड़े के सरपरस्त बाबा सईद, मास्टर मुजीबुर्रहमान, ईमाम मोहम्मद असलम, उस्ताद इस्माइल, मास्टर अय्यूब अली, अशफाक सर्राफ, कोच इस्माईल शाह, अब्दुल मतीन ने आए हुए तमाम मेहमानों का स्वागत किया। प्रोग्राम के दौरान वक्फ

कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी ने कहा कि आमापीर कब्रिस्तान के अंदर बने कमरे का रमजान के बाद प्लास्टर ओर पूरी मरम्मत करवाई जाएगी। नमाज़े जनाजा के लिए टीन शेड, खाली पड़ी जमीन पर सफाई करवाकर नमाज-ए-जनाज़ा के लिए जगह मुहैया करवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही कुश्ती दंगल के लिए बाहर जाने वाले पहलवानों का जाने-आने ओर खाना खुराक का खर्चा वक्फ कमेटी बारां कार्यालय से दिया जाएगा ताकि हमारी प्रतिभाओं की हौसला अफजाई हो सके।

अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान ने कहा कि आमापीर अखाड़ा समिति को जब भी जरूरत पड़े में उनके लिए हमेशा तन-मन-धन से तैयार रहूंगा साथ ही अखाड़ा खेलने की जगह पर टीन शेड करवा दिया जाएगा ताकि बारिश के मौसम में भी अखाड़ा चालू रहे। इसकी जिम्मेदारी अंजुमन सदर मन्नू पठान ने नायब सदर साजिद खान लजीज को सौंपी। वहीं नायब सदर साजिद खान लजीज ने अखाड़े के जरूरी सामानों के लिए अपनी ओर से 51000 हजार रुपये देने की घोषणाएं की। जिसपर अखाड़ा समिति ने उनका शुक्रिया अदा किया। इस दौरान पहलवान मकसूम अली, मास्टर अनवर रंगरेज, रमजानी, रईस गाजी, एडवोकेट परवेज पठान, सोनू मामा, नासिर खान बंटी, गुलजार अंसारी, वसीम फ्रूट, सद्दाम बाबा, फरीद देशवाली, जुबेर पहलवान, अल्तमश पठान सहित कई लोग मौजूद रहे।

खातूने जन्नत की याद में दारुल उलूम अताए रसूल में रोज़ा इफ़्तार करवाया

कोटा (रॉयल पत्रिका) । तीसरे रमज़ान पर पैग़म्बरे इस्लाम की शहज़ादी खातूने जन्नत हजरत फातमा ज़हरा रज़ि. के विसाल के दिन उनकी याद में क़ुरआन पढ़ कर महफिले कर व रोज़ेदारों को व उनके नाम पर रोज़ा अफ़्तार करा कर याद किया। शहर की विभिन्न मस्जिदों व घरों में सामूहिक रोज़ा अफ़्तार के कार्यक्रम हुए। मास्टर फारूक, फिरोज़ खान, फैज़ान उल हक ने बताया कि दारुल उलूम अताए रसूल रज़ा नगर में मौलाना फ़ज़ले हक की अध्यक्षता में बाद नमाज़ असर यौमे खातूने जन्नत मनाया गया व रोज़ा इफ़्तार कराया गया रोज़ा इफ़्तार में मौलाना कामिल अशरफी, मौलाना सलीम अशफाकी, कारी नदीम, हाफ़िज़ सरवर आलम, उलमाओं इमामों रोज़ेदारो ने बड़ी संख्या में शिरकत की। इस अवसर पर मौलाना फ़ज़ले हक ने कहा कि खातूने जन्नत की जीवनी औरतों के लिए प्रेरणा व सेवा प्यार मोहब्बत का मार्ग है बेटी की हैसियत से उनकी सम्मान से भरी है पत्नी की हैसियत से सेवा व मां की हैसियत से शफ़क़त व मोहब्बत से भरी है। इस्लाम धर्म में उनका सम्मान विश्व की तमाम औरतों में सबसे बुलंद है। वो जन्नती औरतों की सरदार है उनकी जीवनी से सबक़ हासिल करके उस पर चले रोज़ा इफ़्तार पर मुल्क में अमन शांति खुशहाली की दुआ की गई।

कोटा (रॉयल पत्रिका) । तीसरे रमज़ान पर पैग़म्बरे इस्लाम की शहज़ादी खातूने जन्नत हजरत फातमा ज़हरा रज़ि. के विसाल के दिन उनकी याद में क़ुरआन पढ़ कर महफिले कर व रोज़ेदारों को व उनके नाम पर रोज़ा अफ़्तार करा कर याद किया। शहर की विभिन्न मस्जिदों व घरों में सामूहिक रोज़ा अफ़्तार के कार्यक्रम हुए। मास्टर फारूक, फिरोज़ खान, फैज़ान उल हक ने बताया कि दारुल उलूम अताए रसूल रज़ा नगर में मौलाना फ़ज़ले हक की अध्यक्षता में बाद नमाज़ असर यौमे खातूने जन्नत मनाया गया व रोज़ा इफ़्तार कराया गया रोज़ा इफ़्तार में मौलाना कामिल अशरफी, मौलाना सलीम अशफाकी, कारी नदीम, हाफ़िज़ सरवर आलम, उलमाओं इमामों रोज़ेदारो ने बड़ी संख्या में शिरकत की। इस अवसर पर मौलाना फ़ज़ले हक ने कहा कि खातूने जन्नत की जीवनी औरतों के लिए प्रेरणा व सेवा प्यार मोहब्बत का मार्ग है बेटी की हैसियत से उनकी सम्मान से भरी है पत्नी की हैसियत से सेवा व मां की हैसियत से शफ़क़त व मोहब्बत से भरी है। इस्लाम धर्म में उनका सम्मान विश्व की तमाम औरतों में सबसे बुलंद है। वो जन्नती औरतों की सरदार है उनकी जीवनी से सबक़ हासिल करके उस पर चले रोज़ा इफ़्तार पर मुल्क में अमन शांति खुशहाली की दुआ की गई।

छह वर्षीय रुहान ने रखा पहला रोजा

बारां (रॉयल पत्रिका) । रहमतों, बरकतों ओर इबादतों का पाकीज़ा महीना रमजानुल मुबारक के आगाज के साथ ही माहे रमजान के रोजे की इब्तिदा हो गई जिसमें इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग रोजा रख कर इबादतों में मशगूल है। जहां बडे बुजुर्ग, नोजवान, महिला, पुरुष रोजा रख रहे हैं वहीं नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखकर इबादत में मशगूल है। शुक्रवार को मोहम्मद रफीक मीठीया के छह वर्षीय बेटे मोहम्मद रुहान ने अपना पहला रोजा रखा। दिन भर इबादत में मशगूल रहने के बाद

शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोज़ा खोला ओर नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। रुहान को बस्ती वालों ने खूब दुआओ से नवाजा।

फैजान वारसी ने रमज़ान का पहला रोजा रखकर देश के लिए अमन और चैन की दुआ मांगी

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान झालावाड़ रमज़ान माह की शुरुआत होते ही मस्जिदों में रौनक देखने को मिल रही है। मस्जिदों में इबादतों का दौर जारी है जहां मुस्लिम समाज के महिला एवं पुरुष रोजे रखकर अल्लाह की बारगाह में इबादत कर रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी पीछे नहीं है। झालावाड़ से फिरोज़ खान वारसी पत्रकार के 8 वर्षीय बेटे फैजान वारसी ने 22 फरवरी 2026 को पहला रोज़ा रखा.इस रमजान माह के मुबारक मौके पर अपना दिन इबादत कर गुजारा और शाम होने पर समुदाय के बड़े बुजुर्गों से सलाम दुआ कर मुलाकात की इस दौरान फैजान वारसी को बुजुर्गों ने अपनी नेक

दुआओं से नावाजा और माला पहनकर नन्हे बच्चे की हौसला अफजाई की। इसके बाद फैजान वारसी ने अल्लाह तालाह से दुआ की देश में अमन चैन कायम रहे और सभी आपस में मिलजुल कर रहे नेक रास्ते पर चलते हुए अपनी कामयाबी हासिल करें।

गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमे के दो आरोपी दोषमुक्त (बरी) अधिवक्ता फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका) । थाना कोतवाली बारां द्वारा फरियादी की रिपोर्ट पर मुकदमा संख्या 706/2024 अंतर्गत धारा 140(3), 308(2), 308(5),3(5), में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था फरियादी बृजेश का आरोप था कि दोनों अपराधियों ने अपहरण कर लूट की गई, जान से मारने की नियत से चाकू मारा जिससे वो बच गया, पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई, आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश

किया, अधिवक्ता फिरोज खान की पैरवी के बाद दोनों आरोपियों को जमानत पर रिहा किया हुआ था। प्रकरण की सुनवाई माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बारां द्वारा की गई प्रकरण में अभियोजन ने गवाह व दस्तावेजों को प्रदर्शित कराया गया प्रकरण में आरोपी की ओर से अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा 19.02.2026 को बहस की गई जिस पर माननीय न्यायालय ने आरोपी सोयल उर्फ छोटा सुच्चा, पुनीत शर्मा को फैसला सुनाते हुए प्रकरण में दोषमुक्त (बरी) किया गया संपूर्ण प्रभावी पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की।

चेचट कस्बे में बस स्टैंड एवं प्रतीक्षालय नहीं होने से यात्रीगण होते हैं परेशान

डॉक्टर तोहिद

सुकेत/चेचट (रॉयल पत्रिका)। चेचटकस्बे में बस स्टैंड ही नहीं, रोज 2500 यात्री सड़क पर बैठकर करते हैं इंतजार वर्ष पूर्व चेचट तहसील बनने के बाद भी क्षेत्र मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। कस्बे में यात्रियों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। स्थानीय यात्री प्रतीक्षालय, जर्जर हो जाने के कारण महिलाएं और बच्चे बैग सामग्री के साथ सड़क पर गंदगी के बीच नीचे बैठकर बस का इंतजार करते हैं। बस स्टैंड के अभाव में रोडवेज और निजी बसें सड़क किनारे खड़ी होती है। इससे सड़कों पर जाम के हालात बनते हैं। चेचट में हर रोज 30 निजी बसों की आवाजाही होती है। 60 गांव का मुख्यालय और तहसील होने के कारण प्रतिदिन 2500 यात्री कोटा, झालावाड़, रावतभाटा, रामगंजमंडी, भवानीमंडी, सांगोद, बारां, भानपुरा, उज्जैन, इंदौर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर समेत अन्य शहरों में आवाजाही के लिए यहीं से बस पकड़ते हैं। इसके बाद भी सुविधा नहीं होने से यात्रियों को परेशानी होती है। दिन में कई बार जाम के हालात बनते हैं। ग्रामीणों के अनुसार सालभर में यहां 8-9 हादसे हो चुके हैं। जिसमें एक

महिला की ट्रक के नीचे आने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार को कस्बे में साप्ताहिक हाट लगने के कारण हालात और भी बदतर हो जाते हैं। इससे सड़क किनारे बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को भी जाम के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। चेचट कस्बे से झालावाड़ आवाजाही के लिए रोडवेज की एक बस चलती है। यह बस दोपहर 12.30 बजे एक ही राउंड लगाती है। इसके अलावा निजी बसों से हर रोज सैकड़ों यात्री आवाजाही करते हैं। रोडवेज के अलावा निजी बसें हर क्षेत्र में आती-जाती है। ग्रामीणों की मांग है कि कस्बे में बस स्टैंड बनाया जाए। जिससे कि यात्रियों को उचित सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, यहां से कोटा समेत अन्य स्थानों के लिए भी बसों का संचालन किया जाए। शिफ्ट करने को लेकर उचित स्थान देखेंगे बस स्टैंड शिफ्ट करने को लेकर दूसरी जगह पर उचित स्थान देखा जाएगा। जिससे कि समस्या का स्थाई समाधान हो सकें। बसें रुकने वाली जगह पर एक छोटा-सा जर्जर यात्री प्रतीक्षालय बनाया हुआ है। जिसमें ग्राम पंचायत की बेपरवाही से गंदगी फैली हुई है। प्रतीक्षालय की छतों और दीवारों से बारिश का पानी टपक रहा था। ऐसे में सड़क पर गंदगी में बैठकर यात्री बसों का शिफ्ट करने को लेकर उचित स्थान देखेंगे। बस स्टैंड शिफ्ट करने को लेकर दूसरी जगह पर उचित स्थान देखा जाएगा। जिससे कि समस्या का स्थाई समाधान हो सकें।

तीन विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 कार्यक्रम के तहत शनिवार को बारां-अटरू, किशनगंज व छबड़ा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। तीनों विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 1.85 प्रतिशत बढ़कर 7 लाख 14 हजार 214 हो गई है। यहां 16 दिसंबर को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7 लाख एक हजार 267 थी। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 28 अक्टूबर 2025 को एसआईआर अभियान प्रारंभ किया गया था। मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के पश्चात मतदाताओं की संख्या किशनगंज में 235176, बारां-अटरू के 232416 एवं छबड़ा के 246622 तथा कुल 714214 हो गई है। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट प्रकाशन के समय 918 था जो अब 921 हो गया है। पत्रकार वार्ता के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, निर्वाचक पंजीयन अधिकारी विश्वजीत सिंह, चुनाव समन्वयक हीरालाल वर्मा, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

19 जनवरी तक ली गई थी दावे व आपत्तियां:-

अभियान के अन्तर्गत 16 दिसंबर से 19 जनवरी तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किए गए थे। इस अवधि में जिले की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र किशनगंज, बारां-अटरू एवं छबड़ा में कुल 14366 फॉर्म-6/6ए, 1817 फॉर्म-7 तथा 3399 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दावे एवं आपत्तियों हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची फॉर्म 9, 10, 11, 11ए और 11बी में तैयार की गई और ऐसी सूचियाँ की एक प्रति उनके कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रत्येक कार्य दिवस को प्रदर्शित की गई।

मतदाताओं की संख्या में 1.85 प्रतिशत वृद्धि:-

तीनों विधानसभा क्षेत्रों में अभियान से पूर्व मतदाताओं की संख्या 7 लाख 56 हजार 75 थी। जिनमें से 54 हजार 808 अनुपस्थित, शिफ्टेड व मृत श्रेणी में पाए गए तथा कुल 1356 अयोग्य पाए गए। अभियान की अवधि में कुल 15 हजार 654 नए नाम जोड़े गए तथा 2707 नाम हटाए गए। इस प्रकार 12 हजार 947 कुल नाम जुड़े। इससे मतदाताओं की संख्या में 1.85 प्रतिशत वृद्धि के साथ कुल मतदाताओं की संख्या 714214 हो गई है, जिनमें पुरूष 371770 महिला 342438 तथा ट्रांसजेण्डर 06 हैं। जिसमें विधानसभा क्षेत्र किशनगंज-194 में 235176, बारां-अटरू-195 में 232416 एवं छबड़ा-196 में 246622 मतदाता है।

मतदाता सूचियां ऑनलाइन उपलब्धः-

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची-2026 की एक सॉफ्ट कॉपी एवं एक हार्ड कॉपी निःशुल्क संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के स्तर पर बैठक आयोजित कर उपलब्ध कराई गई। यह सूचियाँ जिला निर्वाचन अधिकारी निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है तथा कोई भी मतदाता इस सूची में अपना नाम ऑनलाइन मतदाता पहचान पत्र सर्च के माध्यम से देख सकेगा।

झालावाड़ पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध लगातार कार्यवाही

-दौराने गश्त 2 मुलजिमानो के कब्जे से 109 ग्राम एमडीएमए मोटरसाईकिल सहित गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार बुढानिया आई.पी.एस. ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के मध्य नजर पुलिस थाना पगारिया द्वारा गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए दो मुलजिमों के कब्जे से 109 ग्राम मादक पदार्थ एमडीएमए मय एक मोटर साईकिल जप्त करने में सफलता अर्जित की है।

घटना का विवरणः-

पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत् सभी थानाधिकारीयों को अभियान में मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है इसी कम में मागचन्द मीना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला झालावाड़ के निर्देशन में प्रेम कुमार वृताधिकारी भवानीमण्डी के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी किशोर सिंह उपनिरीक्षक पुलिस थाना पगारिया के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 22.02.2026 को गश्त के दौरान कालेश्वर मन्दिर के सामने डग मयानीमण्डी रोड एचएच 19 ए पर डग की तरफ से आने वाले रास्तें से मुलजिम 01. प्रहलाद सिंह पुत्र रामसिंह जाति सी० राजपूत उम्र 27 साल निवासी चाचुरनी पुलिस थाना ढग जिला झालावाड़ राज० 02 सहाबुद्दीन पुत्र ईसलामुद्दीन जाति मन्सुरी मुसलमान उम्र 36 साल निवासी दौबडा रोड डग पुलिस थाना डग जिला झालावाड़ राज० को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 109 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए मय मोटरसाईकिल जप्त की गई। जिस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रमोद कुमार पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना भवानीमण्डी द्वारा किया जा रहा है।

जप्त मालः-

109 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए व एक मोटरसाईकिल

गठित विशेष टीम :-

किशोर सिंह उ.नि. धानाधिकारी थाना पगारिया दिनेश कानि.चाना पगारिया, अजित सिंह कानि. 490 थाना पगारिया, सुरेश कानि. थाना पगारिया, विजय कानि. थाना पगारिया, रामशरण कानि थाना पगारिया, वृत कार्यालय भवानीमण्डी टीम- धर्मेन्द्र हैड कानि. साहिब सिंह हैड कानि. अशोक हैड कानि.डीएसटी टीम झालावाड़ चन्द्रशेखर कानि. विशेष भुमिका: धर्मेन्द्र हैड कानि. साडिम सिंड हैड कानि.अशोक हैड कानि. चन्द्रशेखर कानि. ।

निजी कंपनी पर फर्जी दस्तावेज से जमीन हड़पने का आरोप, केस दर्ज

डॉ. तोहिद

रामगंजमंडी/सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत थाना क्षेत्र के सातलखेड़ी गांव में खनन भूमि को फर्जी दस्तावेज और मुख्तारनामे के जरिए हड़पने का मामला सामने आया है। प्रार्थी कल्याण मेघवाल ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर निजी कंपनी के अधिकारियों और सहयोगियों के खिलाफ शिकायत दी है। प्रार्थी का आरोप है कि कंपनी के अधिकारियों ने उसके दिवंगत पिता कालूराम के नाम पर एक फर्जी कालू खड़ा किया और जमीन की तीन माह में दो बार रजिस्ट्री करवा ली। इतना ही नहीं, फर्जी तरीके से खनन सहमति प्राप्त कर 22 लाख रुपए का लेन-देन भी किया गया। पीड़ित

कल्याण ने आरोप लगाया कि थाने में पूछताछ के दौरान कंपनी अधिकारियों ने अपनी गलती स्वीकारते हुए राजीनामे का झांसा दिया और उसके मूल दस्तावेज ले लिए। जिन्हें बाद में वापस किया गया। प्रार्थी ने हलका पटवारी पर भी अनुचित दबाव बनाने और गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पटवारी उसे थाने के बजाय कोर्ट जाने की सलाह दे रहे हैं। पीड़ित से गुहार लगाई है कि वह पटवारी के समक्ष बयान दर्ज नहीं करवाना चाहता और इसकी निष्पक्ष जांच उच्चस्तर पर की जाए। सुकेत थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फागोत्सव 2026:

चंग की थाप पर झूम उठा चूरू, फागोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

-साकार संस्थान का आयोजन, राजलदेसर की चंग पार्टी ने बांधा समां

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रंग, उमंग और लोक परंपराओं की जीवंत छटा के बीच रविवार शाम सफेद घंटाघर पर साकार संस्थान की ओर से हुए फागोत्सव–2026 ने शहरवासियों को लोक संस्कृति से सराबोर कर दिया। रतनलाल पारख की स्मृति में बसंत कुमार व संजय कुमार पारख कोलकाता के सौजन्य से हुए इस आयोजन ने चूरू की सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवंत कर दिया। राजलदेसर की श्याम म्यूजिकल ग्रुप चंग पार्टी के कलाकारों ने चंग की थाप पर पारंपरिक फाग गीतों की ऐसी रसधार बहाई कि दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके। 'फाग' के रंगों में रचे-बसे गीतों और लोकधुनों ने मरुभूमि की लोक संस्कृति की महक बिखेर दी। कार्यक्रम में बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई, जिससे वातावरण पारंपरिक उत्सव में बदल गया। कार्यक्रम में पत्रकार पीयूष शर्मा स्मृति पुरस्कार पत्रकार राहुल शर्मा को तथा पूर्व सभापति रमाकांत ओझा की स्मृति में लोक कलाकार पंकज ओझा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने की। मुख्य अतिथि पूर्व सभापति विजय शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रमोद बाजोरिया, एपीआरओ मनीष कुमार, महेंद्र चौबे, विनोद ओझा, भास्कर शर्मा व हरिप्रसाद पीपलवा उपस्थित रहे। अतिथियों के साथ गुरुदास भारती, नरेंद्र शर्मा, बिजेंद्र दाधीच, हनुमान शर्मा आदित्य, राकेश दाधीच, कौशल शर्मा, हेमंत प्रजापत, अखिलेश दाधीच सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाओं को स्मृति पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत संदीप पाटिल, जगदीश सराफ, संजय सोनी, योगेश गोड़, कानसिंह, पवन शर्मा, सुनील भाऊवाला, मूलचंद दर्जी, अश्वनी व्यास, गौरव दाधीच, हरि मोहता, कमल गोठेचा, राजेश बांठिया, डॉ. शंकर सिंह गोड़, विश्वनाथ राजगुरु, दिनेश स्वामी, विपिन दाधीच व विजय सारस्वत ने किया। संचालन उमेश दाधीच ने किया। खास बात ये थी की फागोत्सव के आयोजन ने यह संदेश दिया कि आधुनिकता की दौड़ में भी लोक संस्कृति की जड़ों को संजोए रखना जरूरी है। चंग की थाप, पारंपरिक वेशभूषा और सामूहिक सहभागिता ने चूरू की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त बनाया।

माहे रमजान इबादत का बेहतरीन महीना है और इंसानियत का पैगाम देता है

-माहे रमजान की दी मुबारकबाद शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि रोजा एक ऐसी ईबादत है जिसके जरिये इंसान के अच्छे अखलाक कि शिक्षा भी होती है। रोजे से खोफे खुदा एवं हमदर्दी रहती और सहायता जैसी अच्छी विशेषताएं पैदा होती है। रोजेदार को दूसरे कि भुख प्यास का एहसास होता है। वो चाहता है के जो लोग भुखे प्यासे और जरुरतमंद है उनकी मदद करें तमाम लोग खुशनसीब है। जो रमजान में जरुरतमंदों कि सहायता करते हैं। अल्लाह पाक इस पाक महीने में हर नेकी का सवाब कई गुणा बढाकर देता है जैसे नफ्ल का सवाब फर्ज के बराबर और एक फर्ज का सवाब 70 फ़र्ज़ के बराबर मिलता है। और रमजान के महीने के रोजे और ईबादत हमारे ईमान और अखलाक को मजबूत करते हैं। यह माह भाईचारा और सद्भाव कि प्रेरणा और इनसानियत कि राह पर चलने की तोफिक देता है शरीअत-ए-इस्लाम नमाज कि पाबंदी के साथ हमें नेक अमल करने नेक इंसान बनने कि हिदायत देता है। जकात हर मालिके नेसाब पर फर्ज है जकात गरीबों का हक है जकात इस्लाम का अहम रुक्न कुरान–ए-करीम में ईमान के बाद नमाज और उसके साथ ही जकात का जिक्र किया है जकात माली इबादत है ये ऐसी ईबादत है जो कल्ब और रूह का मेल कुचेल भी साफ करती है इन्सान को आल्लाह का मुफलिस बन्दा बनाती है नीज जकात आल्लाह कि अता कि हुई बेहिसाब नेअमतों के एहतराफ और उसका शुक्र बजा लाने का बेहतरीन जरिया है जकात माल का वो हिस्सा है जिसका अदा करना फर्ज है इस्लाम में जकात के जरिये गुरबत खत्म किया जा सकता है इसलिए हर मालिके निसाब जकात अदा करें। रोजा खोलते वक्त खजूर काफी अहमियत रखती है रोजा खोलते ही सबसे पहले खजूर क्यों? रमजान में इफ्तार के वक्त दस्तरख्वान पर सभी फलों के साथ खजूर भी रखा जाता है। सबसे पहले उसे ही खाया जाता है और लोग इसे पसंद भी करते हैं। यह सुन्नत भी है। लेकिन इसके खाने का सही तरीका भी आपको पता होना चाहिए, बताया जाता है कि रोजाना एक रोजेदार को 2 से 3 खजूर से ही शुरुआत करनी चाहिए क्योंकि कुछ लोगों को यह नुकसान कर सकती हैं। रोजा रखने के बाद अगर सीधे भारी भोजन कर लिया जाए, तो पाचन क्रिया पर असर पड़ सकता है। खजूर पेट को हल्का रखकर डाइजेस्टिव सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर बनी रहती है। यह गैस और अपच की समस्या को भी कम करने में सहायक होता है। खजूर रमजान में इसलिए खाया जाता है क्योंकि यह सुपरफूड माना जाता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। अगर रोजेदार दिनभर भूखे रहकर कुछ खाते हैं तो पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है। डाइजेस्टिव सिस्टम को एक्टिव करने के लिए यह फायदेमंद मानी जाती है। शुगर के मरीजों को खजूर का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, डॉक्टरों के अनुसार, शुगर पेशेंट्स सिर्फ 1 खजूर खा सकते हैं, क्योंकि यह शुगर लेवल को बढ़ा सकता है। इसलिए, मधुमे रोगियों को अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही? सेवन करना चाहिए। माहे रमजान इबादत का एक बेहतरीन महीना है।

उर्स-ए-कादरी पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस

-देर रात तक चला कॉन्फ्रेंस, डटे रहे श्रोता

मोहम्मद अली पठान

चूरु (रॉयल पत्रिका)। अंचल के महान सूफी विद्वान हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती सैयद इनायतुल्लाह शाह कादरी (रह) व हजरत सैयद मोहम्मद सिद्दीक शाह कादरी के वार्षिक उत्सव उर्स-ए-कादरी के मौके पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस का आगाज मौलाना तय्यब ने तिलावत कुरान-ए-पाक से किया तत्पश्चात नन्हे बालक हसनैन हैदर ने अपने रचना छूटे ना कभी तेरा दामन, पेश कर वातावरण को जमा दिया तत्पश्चात फखरे राजस्थान मुख्य रूप से आमंत्रित हाफिज नौशाद अहमद बीकानेर ने सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी की रचना को अपने खूबसूरत आवाज और लहजे में पेश किया, काफिला नूर का और क्या चाहिए, मिल गए मुस्तफा और क्या चाहिए, सुना कर महफिल को झूमने पर मजबूर कर दिया साथ ही कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा की हमें आलिया सूफियों की आदर्श को अपनाकर अपने आप को और समाज को हर बुराई से बचना चाहिए नौशाद बीकानेरी में सारगर्भित विस्तार पूर्वक संबोधन किया इनके बाद फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस की सादात कर रहे शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवर नदीम उल कादरी ने कहा कि हमें हर बुराई से अपने आप को और नस्लों को बचना चाहिए। वर्तमान में युवाओं में बढ़ती नशे की लत से बचाने के लिए सामाजिक स्तर पर एक मजबूत पहल होनी चाहिए। हमें अपने माल की जकात उसके हकदार को अदा करनी चाहिए। खानका-ए-कादरिया के पीठाधीश्वर सैयद अबरार हुसैन कादरी ने सभी कार्यकर्ता उर्स कादरी में व्यवस्था देने वाले सभी को साधु वाद दिया फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस मे मौलाना सैयद गुलाम, अहमद अली शाह शहर काजी, मुस्तफा कादरी, सैयद मोहम्मद ताबिश हुसैन कादरी, मंजूर आलम, रिहान मुस्तफा, सैयद नईम, सैयद अकरम, सैयद सलीम भाई चुरुवी, हसनैन, हसन यासिर एवं आलिम लोगों ने भाग लिया संचालन मौलाना जमील बीकानेरी ने किया, अंत में दुरूदो सलाम पढ़ा गया।

रमजान का पाक महीना हमें दूसरों के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाता है- अहमद अली शाह

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर काजी हाजी मौलाना अहमद अली शाह ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की कहा रमजान का पाक महीना 19 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक रमजान का महीना रहेगा। इस साल रमजान महीने में पूरे 30 रोजे रखे जाएंगे। 21 मार्च को इंशा अल्लाह, ईद-उल-फितर। इस्लामीक कैलेंडर के हिसाब से चांद दिखने पर मनाई जाएगी रमजान का 9 वां महीना होता है। मुस्लिम समुदाय में 12 माह में एक महीना रमजान का आता है। रमजान पवित्र महीने का नाम है इस एक माह में रोजे रखे जाते हैं। सूर्य उदय होने से पहले शहरी की जाती है। शहरी करते समय जो दुआ मांगी जाती है वह कबूल हो जाती है। रोजा एक इबादत है जो मर्द और औरत व बालिग बच्चौ पर फर्ज है। रोजा रखने की बरकत यह है की अल्लाह ताला उसके गुनाहों को माफ कर देता है। जब रमजान महीने का चांद नजर आता है तब जहन्नुम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। रोजा रखने के बाद रोजेदार कुरान शरीफ की तिलावत, नमाज, तराबी पढ़ कर दिन भर इबादत में गुजारता है। रमजान के पवित्र महीने में गरीबों की मदद करना, गरीब को कपड़े देना, गरीबों को खाना खिलना, जकात, फित्रा देना पुण्य का काम है। रोजा रखने से हमारे शरीर से कई बीमारियां कट जाती है। रमजान महीने पर हर शख्स पर फितरा लाजमी है। एक व्यक्ति का फितरा 2 किलो 50 ग्राम गेहूं, चावल या बाजार तौलकर जरूरतमंद इंसानों को देते हैं। रमजान का माह में जकात अपनी नेक कमाई में से 1000 रूपए पर 25 रूपए के हिसाब से जकात लगती है। सोना 7.50 तोला, ओर चांदी 52.50 तोला यदि घर में मौजूद है तो उसकी भी जकात लाजमी है। चाहे उतने वजन की रकम हो तो उसकी भी जकात लगेगी एक माह रमजान के बाद ईद का त्योहार आता है जो मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्योहार होता है। माहे रमजान में 12 से 14 घंटे तक रोजा रखा जाता है, जिनसे हमारे पाचन तंत्र को आराम करने का मौका मिलता है। यूनिवर्सिटी आफ टैक्सन की। रिसर्च के मुताबिक खाली पेट रहने व कम मात्रा में खाना खाने से शरीर की सूजन कम होती है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। कई अंदरूनी बीमारियों से निजात मिलती है। लिवर अच्छा रहता है और वजन कम करने में रोजा काफी फायदेमंद होता है। रोजा फर्ज है।

गीतांजलि विश्वविद्यालय में 'सिनैप्स स्पोर्ट्स 2026' का भव्य समापन समारोह संपन्न

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली यूनिवर्सिटी के वार्षिक खेल महोत्सव सिनैप्स स्पोर्ट्स 2026 का दस दिवसीय आयोजन 11 से 20 फरवरी तक उत्साह और खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस खेल महोत्सव में विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों के 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर 11 खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.के. व्यास रहे। समारोह में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की डीन डॉ. संगीता गुप्ता, एवं अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. मजिंदर कौर, डॉ. अरविंद यादव, डीन (स्नातकोत्तर अध्ययन), गीतांजलि विश्वविद्यालय, गीतांजली कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग की डीन डॉ. विजयम्मा अजमेरा, प्राचार्य डॉ. आलोक रावत एवं डॉ. दिनेश शर्मा, गीतांजली पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी. एल. डाड, गीतांजली कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी के प्राचार्य डॉ. पल्लव भटनागर, गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. नमित नागर तथा गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. उदीची कटारिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी आलोक तिवारी एवं डॉ. विचित्रा विभूति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समारोह का मुख्य आकर्षण ओवरऑल चैंपियनशिप की घोषणा रही, जिसमें गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने प्रतिष्ठित ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि गीतांजली कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी ने रनर-अप ट्रॉफी हासिल की। कुलपति डॉ. आर. के. व्यास ने विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान करते हुए खिलाड़ियों की टीम भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, एकता और नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करने का माध्यम है। उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए यादगार क्षणों और नई प्रेरणा का संदेश देकर समाप्त हुआ।

लिलगरान समाज ने डीएमएलटी परीक्षा में प्रथम रैंक आने पर तौफीक अहमद डायर का किया सम्मान

-शिक्षा वास्तविक महत्व को दर्शाती है एवं सफलता की चाबी है- राठौड़

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लीलगरान मस्जिद के पास आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण ने कहा की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना न केवल आपकी कड़ी मेहनत का फल है बल्कि यह शिक्षा के वास्तविक महत्व को भी दर्शाता है शिक्षा केवल अंक लाना नहीं बल्कि ज्ञान और अनुशासन के माध्यम से व्यक्तित्व का निर्माण करता है। आपकी यह सफलता सिद्ध करती है की लगन और सही दिशा में किया गया प्रयास हमेशा गौरवपूर्ण परिणाम लाता है। डीएमएलटी परीक्षा में लैब टेक्नीशियन में प्रथम रेंक आने पर तौफिक अहमद डायर का कौम लीलगरान व मुख्य अतिथि द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कौम इस कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि एवं तोफीक डायर का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। लीलगरान के अध्यक्ष मोहम्मद सदिक ने बताया कि हर युवा को शिक्षा के माध्यम से आगे बढना होगा। उन्होने बताया कि सर्व समाज के युवाओं को आगे आने के लिए शिक्षा में अपनी पकड़ को मजबूत करना होगा। जिससे युवाओं को सफलता मिल सके। इस अवसर पर भंवर गुर्जर, सीनियर फिजिशियन डॉ. एफ एच गोरी, पार्षद असलम डायर, डॉ. साजिद चौहान, डॉ. जाकिर झारिया वाला, एम हारून गौरी, मोहम्मद रफीक चौहान बबलु, इस्माइल भाटी पार्षद आदि सहित लीलगरान समाज ने तौफिक डायर का फूल मालाओं से सम्मान किया गया। इस दौरान राजु डायर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

अब घुटना बदलवाना हुआ आसान: रोबोटिक सर्जरी से कम दर्द, जल्दी आराम

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए, उदयपुर शाखा) के सहयोग से सीएमई (सतत् चिकित्सीय शिक्षा) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विख्यात चिकित्सकों ने भाग लिया। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह ने "रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी" विषय पर विस्तार से जानकारी विडियो के माध्यम से दी। उन्होंने आधुनिक रोबोटिक तकनीक के माध्यम से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी में सटीकता, कम दर्द और शीघ्र रिकवरी के लाभों पर प्रकाश डाला। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. रामावतार सैनी ने "ऑस्टियोआर्थराइटिस: घुटने से जुड़े मिथक और तथ्य, रोबोटिक्स का नया युग" विषय पर विडियो के माध्यम से व्याख्यान दिया। उन्होंने घुटनों की बीमारी से संबंधित भ्रांतियों को दूर करते हुए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान रोबोटिक तकनीक से ऑपरेशन करवा चुके रोगियों ने भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की तथा अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। डॉ. हरप्रीत सिंह एवं डॉ. राम अवतार ने बताया कि रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की संपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने वाला गीतांजली हॉस्पिटल राजस्थान का पहला मेडिकल कॉलेज है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने की, जबकि सचिव डॉ. प्रशांत अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने दोनों जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जनों की उपलब्धियों से उपस्थित चिकित्सकों को अवगत कराया। वक्ताओं का स्वागत एवं आभार प्रकट करते हुए आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों ने विशेषज्ञों से विभिन्न जिज्ञासाओं के समाधान प्राप्त किए।

जिला खेल स्टेडियम में आयोजित हुआ एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार (विश्व सामाजिक न्याय दिवस) को जिला खेल स्टेडियम में एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव (एक दिवसीय समावेषी मनोरंजक गतिविधि कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों को खेल और गतिविधियों के वातावरण से सहज और सकारात्मक रूप से परिचित कराने के उद्देश्य से गैर-प्रतिस्पर्धी, मनोरंजक और सहभागिता आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, मधुर स्पेशल शिक्षण प्रशिक्षण संस्था सचिव अंजू नेहरा ने दिव्यांग बच्चों के लिए राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को खेल के माध्यम से सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के प्रयास को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने बताया कि इस एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव में उपस्थित दिव्यांग विद्यार्थियों ने कैरम, चेस, लुडो, पजल्स, रिंग टॉस, बेडमिण्टन, चम्मच रेस, गिलास पिरामिड इत्यादि विविध खेलों में भाग लिया। गतिविधियां पूर्णतया दिव्यांग बच्चों के मनोरंजन एवं उन्हें सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बिना रैंकिंग, बिना हार - जीत की थीम पर आयोजित की गई। इस दौरान परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार, निजी सहायक पंकज स्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी लाखन सिंह, वरिष्ठ सहायक मनीष जाखड़, सूचना सहायक नरेन्द्र झोरड़, छात्रावास अधीक्षक नरेश कुमार, कनिष्ठ सहायक पवन थालौड़ सहित दिव्यांग विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामिनवास भुंवाल ने किया।

इफ्तार से सहरी तक 7 से 8 ग्लास पानी पीना चाहिए – डॉ. तन्नू खान

पाली। जैसा कि आप लोग जानते हैं रमजान शुरू हो चुके हैं तों इस वक्त आप अपना भी खास ख्याल रखें आपसे गुजारिश है कि अपने आप को पुरा हाइड्राइट रखने के लिए आप सेहरी के वक्त दही या फिर सौंप का पानी ले सकते हैं, भीगे हुए बादाम, पानी में भीगी खजूर, बोईल अण्डा, पराठा कम तेल या घी का या प्लेन रोटी ले सकते हैं। इफ्तार के वक्त आप खजूर, फल, चाट, सलाद (टमाटर, खीरा ककड़ी) व नारियल पानी जरुर लें। नारियल पानी में बहुत से मिनीरलस होते हैं ये आपको हाइट्राइट भी करते हैं। पानी एक साथ पीने के बजाय धीरे धीरे ले। इफ्तार से सहरी तक 7 से 8 ग्लास पानी थोड़ा-थोड़ा करके लें। खाना जो आप हमेशा खाते हैं वैसा ही ले हो सके तो मल्टीग्रेन रोटी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तरहबी के बाद 5 से 10 मिनट पैदल चले। ये आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा। जिनको शुगर है वो थोड़ा ज्यादा ध्यान रखें, ज्यादा शुगर वाले कोल्ड ड्रिंक इस्तेमाल करने से बचें। ब्लड शुगर टाइम पर चेक करवाते रहें। हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज ज्यादा नमक वाले व तले भुने खाने से परहेज़ करें। तबीयत खराब होने पर नजदीकी अस्पताल में सम्पर्क करें। रमजान मुबारक।

- डॉ. तन्नू खान

एसआईआर 2026 के अंतिम प्रकाशन में राजनीतिक दल के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए असलम खोकर

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन की जानकारी देने के लिए आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के प्रतिनिधि असलम खोखर ने वोट चोरी के मामले में भाजपा को क्लीनचिट नहीं दी। उन्होंने कहा मैं एक कार्यकर्ता हूं और मुझसे भी कद्दावर कांग्रेस पार्टी में है। में यह निर्णय कैसे कर सकता हूं और कैसे कह सकता हूं। मैंने ऐसा कोई भी व्यक्तित्व नहीं दिया है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

जयपुर के मुस्लिम क्षेत्र में एकमात्र सुविधायुक्त अपार्टमेंट एमडी रोड के पॉश एरिया में

-मुस्लिम क्षेत्रों में जरूरत है ऐसे और अपार्टमेंट की, मुस्लिम क्षेत्र में घनी आबादी एवं गंदगी से निजात पाई जा सकती है ऐसे अपार्टमेंट बनाकर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर के आदर्श नगर में एमडी रोड स्थित मुस्लिम स्कूल के सामने शिव शीतल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक सर्व सुविधायुक्त अपार्टमेंट बनाया है जिसमें 4BHK सुपर लक्जरी फ्लैट बनाए गए हैं। इस पूरे अपार्टमेंट में 46 में से करीब 25 फ्लैट सेल हो चुके हैं। इस अपार्टमेंट को खास बात है कि पूरी बिल्डिंग की फिनिशिंग स्टोन क्लेडिंग से की गई है जिससे बिल्डिंग का तापमान कम रहता है एवं बिल्डिंग की लाइफ भी बढ़ जाती है। अपार्टमेंट में ग्राउंड फ्लोर पर आधुनिक जिम, स्टीम बाथ, सोना बाथ, जकूजी, छत पर स्वीमिंग पूल, पार्टी एरिया एवं शोरूम की सुविधा है। अपार्टमेंट से एयरपोर्ट 10 किमी. एवं रेल्वे जंक्शन से 4 किलोमीटर की दूरी

पर है। हाई लेवल की सुविधा होने के कारण इस अपार्टमेंट में अब तक नेशनल स्पोर्टमैन, एडवोकेट्स, रिटायर्ड जज, एनआरआई, बिजनेसमैन आदि सफायर अपार्टमेंट में फ्लैट खरीद चुके हैं। इस सफायर अपार्टमेंट के पास कई मस्जिदें, रामनिवास बाग एवं अल्बर्ट हॉल, एसएमएस हॉस्पीटल, विधानसभा, सचिवालय एवं विभिन्न हाई स्टेंडर्ड के शिक्षण संस्था नजदीक होने के कारण इसमें फ्लैट लेने की मुस्लिम उच्च वर्ग में एक इंटरेस्ट पैदा हो गया है। पूरे राजस्थान से मुस्लिम वर्ग की हाईजेन्ट्री यहां जानकारी करने आती रहती है। जयपुर में हाईजेन्ट्री के लिए तो सुविधाएं बढ़ रही है लेकिन जयपुर के मुस्लिम क्षेत्रों में और अपार्टमेंट बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। जिसमें 1BHK, 2BHK, 3BHK के सस्ते फ्लैट मध्यम एवं नौकरी पेशा व्यक्तियों के लिए उपलब्ध हो सके। मुस्लिम क्षेत्र में अतिक्रमण की भरमार होने, छोटे रास्ते होने के कारण ट्रैफिक की परेशानियां बढ़ती जा रही है। मुस्लिम समुदाय में अभी एक मंजिल या स्वतंत्र बने मकान में रहने की आदत है। लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव आना चाहिए। यदि क्षेत्र में अपार्टमेंट बनते हैं तो यहां सफाई एवं अतिक्रमण से छुटकारा मिल सकता है और शिक्षण संस्थानों का विकास हो सकता है।

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंकों में छपे लेखों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है, उमराह क्यों करना चाहिए, और उमराह का पैकेज बुक कराते वक़्त टिकट के बारे में क्या-क्या जानकारी ले लेनी चाहिए।

आज हम बात करते हैं वीजा के बारे में। सऊदी सरकार ने वीज़ा के कानून इस साल बहुत सख्त कर दिए हैं।अब वीजा सिर्फ उन्हीं लोगों का लग रहा है, जिनकी होटल बुकिंग पहले से कन्फर्म है।होटल बुकिंग का बुकिंग रेफ़्रेन्स नंबर सऊदी सरकार के नुसुक ऐप पर लगने के बाद ही वीज़ा का काम शुरू होता है। मतलब ये है कि सऊदी सरकार से मंजूरी प्राप्त होटल में बुकिंग होने के बाद ही वीज़ा लग सकता है। कई लोग वीज़ा लगवाने के लिए बुकिंग रजिस्ट्रेशन नंबर किसी और होटल का देते हैं और लोगों को रुकवा किसी और होटल में देते हैं। जब वहाँ होटल में छापा पड़ता है तो वीज़ा लगवाते समय जो होटल बताया था, उसमे नहीं रुके होने की वजह से हाजी को होटल से बाहर निकाल कर होटल पर जुर्माना लगा देते हैं और हाजी को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए जब भी उमराह की बुकिंग करवायें इस बारे में पूछे कि वीज़ा जिस होटल का लगेगा उसी में रुकेंगे या नहीं।

सऊदी सरकार से अधिकृत वीज़ा कम्पनी से ही वीज़ा लगवाया जा सकता है। कई बार शनिवार, रविवार या त्यौहार के दिन बैंक की छुट्टी होने के कारण और जुम्मे की छुट्टी सऊदी अरब में होने की वजह से भुगतान वक़्त पर नहीं पंहुच पाता और वीज़ा लगने से रह जाता है या 100-200 रुपए वीज़ा सस्ता लगाने के लालच में वीज़ा ऐसी जगह में लगवाते हैं जिनका रियाल में बैलेंस नहीं होता और बैलेंस पहुँचते - पहुँचते बहुत देर हो चुकी होती है और सारी परेशानी हाजी को झेलनी पड़ सकती है। कई बार ऐसा भी होता है कि सस्ते के चक्कर में वीज़ा कम्पनी के हाजी दूसरे होटल में पकडे गये और वीज़ा कम्पनी को सऊदी सरकार ने बेन कर दिया। अब हुआ यह कि वीज़ा का पैसा जमा करा दिया कंपनी बेन हो गयी। लोगों के पास इतना पैसा नहीं है कि दुबारा जमा करवाकर दूसरी कंपनी से वीज़ा लगवा लें। अब बेन खुलने का इन्तेज़ार करते हैं तब तक फ्लाइट उड़ने का दिन आ जाता है और हाजी उमराह पर जाने से रह जाते हैं। इसलिए हमेशा उमराह पैकेज ऐसी जगह बुक करवायें जो बुकिंग रेफ़्रेन्स नंबर वाले होटल में ही हाजी को रुकवाते हो तब आप धोखा धड़ी से बच सकते हैं। कई बार सऊदी सरकार का वीज़ा ऐप धीरे काम करता है या ऑरिजिनल पासपोर्ट सेंड टू एम्बेसी लिखा आ जाता है जिसकी वजह से भी वीज़ा में वक़्त लग सकता है। इसलिए उमराह पैकेज ऐसी जगह बुक करवायें जो वीज़ा आपको उड़ान की तारीख़ से पहले ही दे दे। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता, और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशा अल्लाह। खुदा हाफ़िज़ !

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

भाजपा ने टीपू सुल्तान चौक का नाम बदल दिया

-अब अशफाक उल्ला खान के नाम से जाना जाएगा टीपू सुल्तान चौक, बीजेपी के प्रस्ताव को मिला बहुमत

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंतर्गत आने वाले मीरा-भयंदर नगर निगम (MBMC) ने मीरा रोड स्थित नया नगर स्थित 'हज़रत टीपू सुल्तान चौक' का नाम बदलने का प्रस्ताव बहुमत से मंज़ूर कर दिया है। नव निर्वाचित बीजेपी पार्षद टीपू सुल्तान चौक का नाम बदलने की लगातार मांग कर रहे थे। इसको लेकर काफी बवाल भी हो रहा था। हालांकि अब इस चौक को महान स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्ला खान के नाम से जाना जाएगा।

इस बीच बुधवार को टीपू सुल्तान चौक का नाम बदलने का प्रस्ताव बहुमत से मंजूर हो गया गया। ठाणे के मीरा भयंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में भाजपा के द्वारा लाए प्रस्ताव को सदन में बहुमत से मंजूरी मिल गई। वहीं विरोध कर रही कांग्रेस ने भी टीपू सुल्तान के मुद्दे पर यू-टर्न ले लिया है।

अशफाक उल्ला खान नया नाम

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस ने 'हज़रत टीपू सुल्तान चौक' का नाम बदलकर अब्दुल गफ्फार

करने का सुझाव दिया था। लेकिन बहुमत बीजेपी के पक्ष में होने की वजह से उनके द्वारा प्रस्तावित नाम पर मोहर लगी। ऐसे में अब टीपू सुल्तान चौक का नाम बदलकर अशफाक उल्ला खान हो जाएगा।

कैसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल टीपू सुल्तान को लेकर विवाद की शुरुआत नासिक के मालेगांव नगर निगम से हुई थी। समाजवादी पार्टी की नेता और डिप्टी मेयर शान-ए-हिंद निहाल अहमद द्वारा अपने सरकारी कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई थी, जिस पर प्रशासन ने आपत्ति जताते हुए उसे हटाने का आदेश दिया था।

बीजेपी और शिंदे ने की निंदा

प्रशासन की इस कार्रवाई ने उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से कर दी। जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में बवाल मच गया। सत्ताधारी बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) ने इसे महाराष्ट्र की अस्मिता और शिवाजी महाराज का घोर अपमान बताया। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे एक प्रचार और महापुरुषों का अपमान करार दिया। इस मामले को लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन भी किए गए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मांगी माफी

मामले के तूल पकड़ने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। सपकाल ने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। सपकाल ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और स्वराज्य की अवधारणा का उल्लेख करते हुए अंग्रेजों के विरुद्ध टीपू सुल्तान के आह्वान का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा कि यह तुलना नहीं थी। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं ने बयान को गलत इरादे से कैंपेन चलाकर प्रसारित किया और समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश की।

मुस्लिम कर्मचारियों को ऑफिस से एक घंटे पहले मिलेगी छुट्टी

-छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार का बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़। रमजान को लेकर छत्तीसगढ़ की बीजेपी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रमजान के दौरान सरकारी मुस्लिम कर्मचारियों को निर्धारित समय से एक घण्टे पहले ऑफिस छोड़ने की अनुमति दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया। ये आदेश शासकीय कार्यालयों के साथ ही अर्ध शासकीय कार्यालयों और निगम मंडलों के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में चांद दिखने की पुष्टि के बाद गुरुवार (19 फरवरी) से रमजान का पवित्र महीना शुरू हो गया है। ऐसा माना जाता है कि रमजान इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है, जिसमें मुस्लिम सुमदाय के लोग सुबह से शाम तक रोज रखते हैं और नमाज पढ़ते हैं।

रमजान अच्छाई और बरकत का महीना-

मुस्लिम समुदाय के लोगों का मानना है कि इस मुबारक महीने रमजान का पहला हिस्सा रहमत है, दूसरा माफी है और तीसरा मोक्ष का रास्ता है। कुल मिलाकर यह इबादत के लिए बहुत मुबारक महीना माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रमजान के पहले रोजे से एक दिन पहले लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में लिखा, "रमजान मुबारक ! यह पवित्र महीना हमारे समाज में एकता की भावना को और बढ़ाए, हर जगह शांति और खुशहाली हो।"

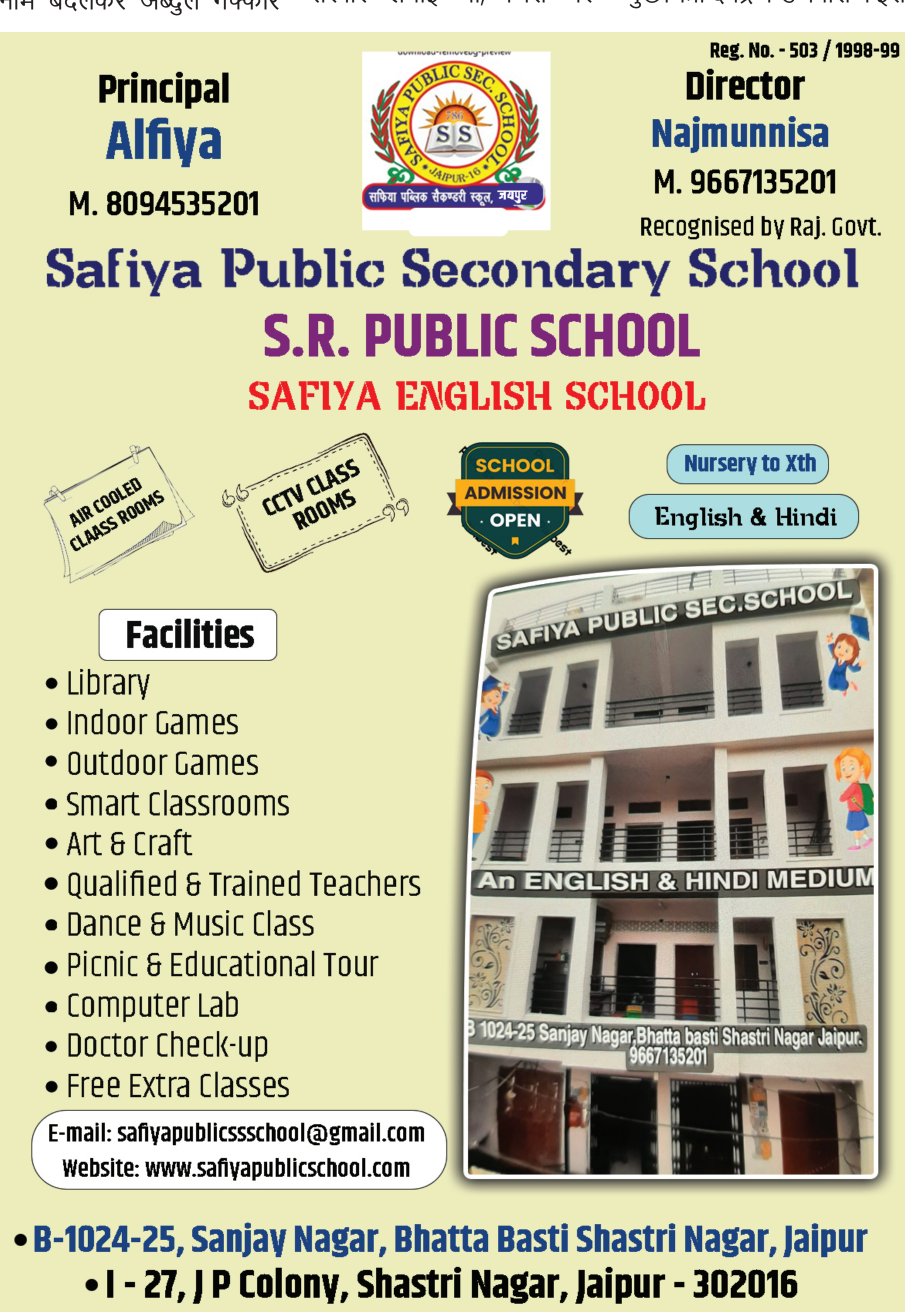

राहुल गांधी ने 'मोहम्मद दीपक' से की मुलाकात, बोले – हर युवा में जले एकता की लौ

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड के कोटद्वार के जिम संचालक दीपक कुमार उर्फ 'मोहम्मद दीपक' से मुलाकात की। हाल ही में वायरल वीडियो के बाद चर्चा में आए दीपक के समर्थन में राहुल गांधी पहले भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुके हैं। मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए राहुल ने लिखा कि "उत्तराखंड के भाई 'मोहम्मद दीपक' से मुलाकात। एकता और साहस की ऐसी ही लौ हर भारतीय युवा में जलनी चाहिए। हर इंसान, एक समान – यही है भारतीयता, यही है मोहब्बत की दुकान।" मुलाकात के बाद दीपक ने कहा कि उनकी हिम्मत पहले भी थी, लेकिन अब चार गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा, "जब राहुल गांधी ने खुद फोन कर बुलाया तो लगा कि कोई हमें समझ रहा है। हमने आवाज गलत के खिलाफ और सही के लिए उठाई थी।" दरअसल, 26 जनवरी को कोटद्वार के एक बाजार में हुई बहस का वीडियो वायरल हुआ था। एक बुजुर्ग दुकानदार से दुकान के नाम में 'बाबा' शब्द हटाने को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान दीपक ने विरोध जताया और नाम पूछे जाने पर खुद को 'मोहम्मद दीपक' बताया। इसके बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गए। दीपक के अनुसार, 31 जनवरी के बाद कुछ संगठनों ने उनके जिम के बाहर प्रदर्शन किया। पहले जहां रोज करीब 150 सदस्य आते थे, अब संख्या घटकर 12-15 रह गई है। 40 हजार रुपये किराया और 16 हजार रुपये की लोन किश्त के बीच आर्थिक दबाव बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट के कुछ वरिष्ठ वकीलों द्वारा एक साल की सदस्यता लेने से उन्हें मानसिक सहारा मिला। दीपक का कहना है कि वे किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहते, बस अपना काम ईमानदारी से करना चाहते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com